राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,07 मई 2023 वर्ष–6,अंक–102 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रौद्योगिकी के बल पर रणक्षेत्र में अभेद्य बिसात बिछाने में महारत हासिल कर रही है सेना

नयी दिल्ली। चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर दोतरफा चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और पुख्ता तथा अभेद्य सूचना तंत्र के बल पर रणक्षेत्र में बदलती परिस्थितियों के अनुरूप पल भर में निर्णय लेकर ऐसी बिसात बिछाने में महारत हासिल करने में जुटी है जिसकी काट आसान नहीं होगी।

रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़े सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि वर्ष 2023 को 'बदलाव के वर्ष' के रूप में मना रही सेना ऐसे अनेक प्रोजेक्ट पर काम कर रही है जिससे उसका स्वरूप प्रौद्योगिकी से लैस, घातक और भविष्य के लिए हर तरह से तैयार सेना के रूप में उभर कर सामने आयेगा। इनमें से कुछ प्रोजेक्ट अंतिम चरण में हैं तो कुछ को अगले वर्ष के अंत तक अमली जामा पहना दिया जायेगा। सूत्रों का कहना है कि आने वाले समय में युद्ध क्षेत्र और लड़ाई में प्रौद्योगिकी का महत्व निरंतर बढता जा रहा है और इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना इस मामले में बढ़त लेने में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ रही है। प्रौद्योगिकी तथा अभेद्य और पुख्ता सूचना तंत्र पर आधारित इन महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के अमल में आने के बाद फील्ड में मोर्चा संभालने वाले कमांडरों और मुख्यालयों में बैठे शीर्ष कमांडरों के सामने कंप्यूटर पर एक क्लिक करते ही पल भर में रणक्षेत्र की पूरी तस्वीर हर पहलू से उभर कर सामने आ जायेगी। साथ ही उन्हें रणक्षेत्र और आस पास की बदलती परिस्थितियों तथा दुश्मन की चाल के बारे में भी तुरंत जानकारी मिल सकेगी। इसका विश्लेषण कर कमांडर आसानी से रणनीतिक निर्णय ले सकेंगे और ऐसे चक्रव्यूह की रचना कर सकेंगे कि दुश्मन के लिए उसकी काट करना आसान नहीं होगा।

27 मिनट की फिल्म, 4200 शो; अरविंद केजरीवाल के खिलाफ क्या है बीजेपी का नया प्लान

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली सरकार को चौतरफा घेराबंदी शुरू कर दी है। भाजपा ने अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के खिलाफ 'झूठा कहीं का' अभियान चलाने का ऐलान किया है।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली सरकार को चौतरफा घेराबंदी शुरू कर दी है। काफी समय से शराब घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ हमलावर रही भाजपा ने अब मुख्यमंत्री अरविंद केजीरवाल के बंगले पर आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। केजरीवाल के बंगले पर 45 करोड़ रुपए खर्च का आरोप लगा रही भाजपा इस मुद्दे को भुनाने में जुट गई है। पार्टी ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ झूठा कहीं का अभियान चलाने का ऐलान किया है। अगले एक महीने तक पार्टी इस अभियान के जरिए यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे अरविंद केजरीवाल पहले सादगी की बात करते थे और अब अपने लिए आलीशान बंगला बनवाया है।

भाजपा ने आप सरकार और नेताओं के यूटर्न दिखाते हुए 27 मिनट का वीडियो तैयार किया है। इसे दिल्ली के हर कोने में जनता को दिखाने का प्लान है। अगले 4 सप्ताह में दिल्ली में 4200 शो आयोजित करने का प्लान बनाया गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि इसके जरिए जनता को दिखाया जाएगा कि करीब एक दशक पहले पार्टी बनाते समय आप नेता क्या कहते थे और अब वह कितने बदल गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता आप नेताओं के यूटर्न देखकर स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार के यूटर्न से हैरान जनता अब मुखर होकर विरोध करना चाहती है और जनता के विरोध को आवाज देने के लिए शनिवार से झूठा कहीं का अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि केजरीवाल ने शुरुआत से अपनी आम आदमी वाली छवि गढ़ने की कोशिश की, लेकिन बंगला विवाद ने इसे चकनाचूर कर दिया है। भ्रष्टाचार खिलाफ आंदोलन करके बनी पार्टी पर शराब घोटाले समेत कई आरोप लगे हैं। दिल्ली के हर व्यक्ति तक यह संदेश पहुंचाना जरूरी है कि उनकी कथनी और करनी में कितना अंतर है, इसी वजह से यह अभियान शुरू किया गया है। गौरतलब है कि भाजपा ने आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल ने 45 करोड़ रुपए के खर्च से सरकारी बंगला बनवाया है। इसमें लाखों के पर्दे और महंगे विदेशी मार्बल लगाए गए हैं। भाजपा अरविंद केजरीवाल के पुराने वीडियो दिखाकर याद दिला रही है कि आप के राष्ट्रीय संयोजक पहले कहते थे कि उन्हें बड़े आवास की जरूरत नहीं है। उधर, आप का दावा है कि मुख्यमंत्री का सरकारी आवास 80 साल पुराना था और छत गिरने की तीन घटनाएं हो चुकी थी।

राजौरी टेरर अटैक की साजिश पर बड़ा खुलासा, हमले के पीछे लश्कर का साजिद जट्ट

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने राजौरी आतंकी हमले में अपने पांच जवानों की शहादत का बदला लेने के लिए भाटा धूरियन इलाके में कंडी जंगल में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है। इस ऑपरेशन में एक आतंकी मारा जा चुका है और कई आतंकियों के घायल होने की सूचना है। इस बीच राजौरी टेरर अटैक की साजिश पर बड़ा खुलासा हुआ है। इस आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) समूह का मॉड्यूल बताया जा रहा है। राजौरी के जंगल में लश्कर का टॉप कमांडर हबीबुल्ला उर्फ साजिद जट्ट आतंकी हमले को नियंत्रित कर रहा है।

लोकल सपोर्ट और लश्कर के दो ग्रुप

जम्मू और कश्मीर और साउथ ब्लॉक से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, स्थानीय समर्थन के साथ राजौरी-पुंछ सेक्टर में लश्कर के आतंकवादियों के दो समूहों के होने की संभावना है। समझा जाता है कि दो-तीन पाकिस्तानी और तीन स्थानीय आतंकवादियों का एक समूह 20 अप्रैल को भाटा-धुरियान इलाके में सेना के एक वाहन पर हुए हमले में शामिल था, जिसमें भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। 9 पैरा कमांडो पर हमले और घात के पैमाने को देखते हुए, सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि क्षेत्र में सक्रिय दो पाकिस्तानियों के साथ पांच आतंकवादियों का एक और समूह हो सकता है।

एक आतंकी ढेर, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, भारतीय सेना ने एक ताजा बयान में कहा, ÷गोलाबारी में 1 आतंकवादी को मार गिराया गया है और 1 और के घायल होने की संभावना है। अब तक की गई बरामदगी में 1 AK56, AK के 4 मैग, AK के 56 राउंड, मैग के साथ 1×9mm पिस्टल, 3 ग्रेनेड और 1 गोला बारूद शामिल हैं। मारे गए आतंकी की पहचान की जा रही है। ऑपरेशन जारी है।

मणिपुर में सुधर रहे हालात, पेट्रोल पंप पर लगी लंबी कतारें

इंफाल। मणिपुर में चल रही हिंसा धीरे-धीरे शांत हो रही है, लेकिन राज्य में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। आज यानी शनिवार को हिंसा के बाद इंफाल में पेट्रोल पंप के बाहर लंबी कतारें देखने को मिली। मामले की जानकारी देते हुए डीजीपी पी डोंगेल ने कहा, सुरक्षा बलों की वजह से, स्थिति में सुधार हुआ है और हमें सख्त आदेश मिले हैं कि हिंसा में योगदान देने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

राष्टपति शासन लगाने का आग्रह

राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने 5 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसा के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार करने का आग्रह किया है।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक

विधानसभा चुनाव के अंतिम दौर में तय पांच सभाओं और रोड शो को रद कर दिया। शाह राज्य तथा केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। वह मणिपुर की स्थिति के बारे में सुरक्षा तथा खुफिया एजेंसियों से नियमित रूप से जानकारी ले रहे हैं।

सेना और असम राइफल्स के 10 हजार सेना किए गए तैनात-मणिपुर में सेना और असम राइफल्स के लगभग 10 हजार जवानों को तैनात किया गया है। इन जवानों ने राज्य के कई इलाकों में शुक्रवार को फ्लैग मार्च किया। सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने आदिवासियों और मैती समुदाय के बीच हिंसा के मद्देनजर सीआरपीएफ और बीएसएफ सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 20 नई कंपनियां भेजी हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मणिपुर जाने वाली ट्रेनों को रद किया गया है। नार्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने कहा कि मणिपुर होकर दो ट्रेनें गुजरती हैं। 5 मई से दो दिनों के लिए इनका परिचालन रद कर दिया गया है।

राज्य से लोगों का पलायन

एक हजार से ज्यादा लोगों ने मणिपुर से पलायन कर असम के कछार जिले में शरण ली है। जिला प्रशासन ने शरणार्थियों के लिए खाने-पीने का इंतजाम किया है। इन्हें स्कूलों में ठहराया गया है। स्थानीय लोग भी इनकी मदद कर रहे हैं। एएनआइ के अनुसार, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जिला प्रशासन को मणिपुर से आए लोगों की देखभाल करने का निर्देश दिया है।

'पीएम स्वनिधि योजना' ने बदल दी छोटे कारोबारियों की दिशा और दशा

बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में बनी केन्द्र सरकार ने अपने योजनाओं के माध्यम से ऐसे क्रांतिकारी कदम उठाए। जिसने देशवासियों की दिशा और दशा में आमूलचूल परिवर्तन लाया। ऐसी ही एक योजना है कोरोना काल में लाई गई पीएम स्वनिधि योजना। बिहार के बेगूसराय में इस योजना ने ऐसे कई बदलाव लाए, जिसकी कल्पना मुश्किल थी। कोरोना काल में जब दुकानें बंद हो गई तो छोटे-छोटे व्यापारियों पर आफत आ गया। लॉकडाउन में उनकी जमा पूंजी समाप्त हो गई। लॉकडाउन के बाद उनके लिए परिवार की गाड़ी आगे बढ़ानी मुश्किल थी। इसी बीच जब पीएम स्वनिधि निधि योजना आया तो इसने स्ट्रीट वेंडरों के जीवन में बड़े बदलाव किए। जून 2020 में इस योजना के शुरू होने के बाद अब तक बेगूसराय में 1909 लोगों को इसका लाभ मिला। छोटे दुकानदारों ने पीएम स्वनिधि के माध्यम से अपने परिवार को आत्मनिर्भर बनाना शुरू कर दिया। पुरुष और महिलाओं को जब बैंक ने इस योजना के तहत बड़े पैमाने पर सहयोग करना शुरू किया तो आज उनकी स्थिति बदल गई है। अब यह लोग स्वाभिमान के साथ स्वनिधि के माध्यम से अपने परिवार को चला रहे। ना सिर्फ परिवार को चला रहे हैं। बल्कि, इसी दौर में आई डिजिटल पेमेंट ने जबरदस्त क्रांति की। गूगल पे, फोन पे, यूपीआई, पेटीएम के माध्यम ने इन्हें छोटी-छोटी बचत के लिए भी प्रेरित किया है। डिजिटल रूप से आने वाले पैसे को यह लोग भविष्य के लिए सहेज कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। बेगूसराय शहरी क्षेत्र में कपड़े का स्टॉल लगाकर जीवन यापन करने वाली सुनीता ने बताया कि 2017 से वह सड़क किनारे कपड़ा बेचकर अपना परिवार चला रही थी। कोरोना में जब लॉकडाउन हो गया तो उसकी दुकान बंद हो गई। घरेलू खर्च मुश्किल हो गया था। ऐसे में उनकी जमा पूंजी भी समाप्त हो गई। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली।

पासपोर्ट आवेदकों को लगा झटका, आवेदन की हजारों लंबित फाइलें हुई बंद

गाजियाबाद। अगर आपने भी पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन किया है और अब तक आपका पासपोर्ट नहीं बना है तो यह खबर आपको झटका दे सकती है। पासपोर्ट आवेदन करने वाले तीन हजार से ज्यादा आवेदकों ने फार्म जमा करने के बाद उसकी कोई सुध नहीं ली। इस कारण उनकी फाइलों को बंद कर दिया गया है। अब इन आवेदकों को पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद से 13 जिलों को लोगों के पासपोर्ट बनाए जाते हैं। इसके लिए विभाग की ओर से सभी जिलों के पोस्ट ऑफिस में भी एक काउंटर खोला गया है। इसके अलावा आवेदक पासपोर्ट सेवा केंद्र साहिबाबाद में भी अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। बड़ी संख्या में आवेदक ऐसे हैं जिन्होंने पासपोर्ट के लिए आवेदन तो कर दिया, लेकिन किसी न किसी खामी के कारण उनके आवेदनों को होल्ड कर दिया गया। फाइल होल्ड होने के बावजूद यह आवेदक खामियों को ठीक कराने के लिए नहीं पहुंचे। ऐसे सभी आवेदकों को पासपोर्ट कार्यालय की ओर से काई बार नोटिस भेजा गया। नोटिस के बाद भी यह आवेदक अपनी फाइल की सुध लेने नहीं आए। अब विभाग ने इन सभी आवेदकों की फाइल को बंद कर दिया है।

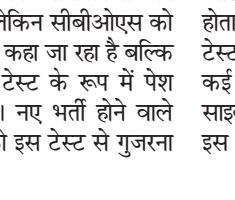

दस हजार फाइलें लंबित-पासपोर्ट कार्यालय के सूत्रों की मानें तो करीब दस हजार फाइलें अब भी लंबित हैं। विदेश मंत्रालय ने इन सभी फाइलों को बंद करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही पासपोर्ट अदालत लगाकर आवेदकों की फाइलों को निस्तारण कराने को भी कहा है। इस दौरान जिन आवेदकों की फाइल में खामियां दूर हो जाएंगी उनको पासपोर्ट जारी किया जाएगा। बाकी फाइल को बंद कर दिया जाएगा। यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

पासपोर्ट आवेदकों की फाइलों में ये खामियां

ज्यादातर फाइल पुलिस की रिपोर्ट क्लियर न आने पर लंबित हो जाती है। इनमें आवेदकों का स्थायी पता और वर्तमान पता गड़बड़ होता है। साथ ही आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज के नाम एक न पाए जाने, पता सही न भरना, पुराने आवेदन की जानकारी न देना, वर्तमान पता छिपाने व बायोमीट्रिक के दौरान असली दस्तावेज न दिखाए जाने के कारण पासपोर्ट बनवाने को किए आवेदन को लंबित श्रेणी में रखा जाता है।

एक माह बाद का नंबर-पासपोर्ट सेवा केंद्र साहिबाबाद में नए आवेदक के लिए इन दिनों एक माह बाद का नंबर मिल रहा है। वहीं तत्काल सेवा में दस दिन बाद आवेदन जमा करने की तिथि मिल रही है।

सेना के नए अफसरों को देना होगा एक और टेस्ट, सूझबूझ परखने की तैयारी

नई दिल्ली। सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले अफसरों को एक नए एवं खास किस्म के बोधशीलता परीक्षण से गुजरना होगा। इस परीक्षण का मकसद नए अफसरों की सूझबूझ और मानसिक स्थिति का आकलन करना है। सेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार हाल में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस टेस्ट की तकनीक सेना के भर्ती महानिदेशक को सौंप दी है। डीआरडीओ की दिल्ली स्थित प्रयोगशाला डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल रिसर्च (डीआईपीआर) ने यह टेस्ट विकसित किया है। इसे काग्निटिव बैटरी फॉर ऑफीसर सलेक्शन (सीबीओएस) नाम दिया गया है। सूत्रों के अनुसार करीब पौन घंटे का यह टेस्ट पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड है, जिसमें अफसरों की सूझबूझ को आठ मानकों पर परखा जाएगा। इस टेस्ट को देने के दौरान ही हर अधिकारी का स्वत ही एक सीबीओएस स्कोर भी तैयार हो जाएगा। मूलत इसमें ध्यान, याददाश्त, समस्या के समाधान की क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता, सोच निर्माण, तर्क शक्ति,

तुलनात्मक क्षमता और सूझबूझ का आकलन किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार डीआईपीआर ने पूर्व में सैन्य अफसरों की भर्ती के दौरान परीक्षण के तौर पर इस टेस्ट को आजमाया है और इसे मौजूदा जरूरतों के अनुरूप पाया गया है। तकनीक को सेना को हस्तांतरित करने के बाद अब इसके भर्ती में लागू किये जाने की तैयारी चल रही है।

साइको टेस्ट नहीं

सेना में जवानों की भर्ती में इससे मिलता-जुलता संक्षिप्त टेस्ट होता है, जिसमें जवान की मानसिकता को परखा जाता है। लेकिन सीबीओएस को साइको टेस्ट नहीं कहा जा रहा है बल्कि इसे बोधशीलता टेस्ट के रूप में पेश किया जा रहा है। नए भर्ती होने वाले सभी अफसरों को इस टेस्ट से गुजरना होगा और जिनका स्कोर कम होगा उसमें उन्हें सुधार के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कई देशों में ऐसे टेस्ट

सेना में भर्ती होने वाले जवानों एवं अफसरों को साइकोलॉजिकल टेस्ट से गुजारने की प्रक्रिया कई देशों में है। नाम और स्वरूप हर जगह अलग-अलग होता है। कई अन्य सेवाओं में भी ऐसे टेस्ट का प्रावधान होता है। आजकल कई निजी कंपनियों में भी साइकोलॉजिकल टेस्ट लिया जाता है। इस प्रकार के टेस्ट से अफसरों की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए नए उपाय करना संभव होगा। लेकिन यह टेस्ट अफसरों की भर्ती का मुख्य आधार नहीं होगा। बल्कि इससे नतीजे व्यक्तिगत प्रशिक्षण की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

नौसेना-एयरफोर्स भी करेंगे लागू

सूत्रों के अनुसार टेस्ट को पहले सेना में लागू किया जाएगा। उसके बाद नौसेना एवं वायुसेना में भी इसे अफसरों की भर्ती में लागू किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मणिपुर में तनाव

मणिपुर में आदिवासियों और बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के बीच भड़की हिंसा बहुत दुखद और निंदनीय है। तनाव इतना बढ़ गया है कि हजारों लोग विस्थापित होने या अपना घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। स्थिति यहां तक बिगड़ गई थी कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश पारित हो गए थे। मणिपुर के अनेक इलाकों में सेना को स्थिति संभालने के काम में लगाया गया है। बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? अपेक्षाकृत शांत मणिपुर में इस तरह से जातीय हिंसा क्यों भड़की? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अव्वल तो लोगों को संवेदना और समझदारी का परिचय देना चाहिए था, पर यह एक दुखद सामाजिक पहलू है कि जातियों या समुदायों के बीच दूरियां या अविश्वास की भावना बढ़ रही है। इससे भी बढ़कर चिंता की बात यह है कि समाज में स्वार्थ तेजी से बढ़ रहा है। किसी भी तरह के सरकारी लाभ के लिए लोग पहले की तुलना में ज्यादा लालायित हैं और दुखद रूप से यह भी चाहते हैं कि सरकारी लाभ उनके अलावा किसी और को न मिले। दरअसल, मामला यह है कि 19 अप्रैल को मणिपुर उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली राज्य सरकार से एसटी सूची में मैतेई जाति को भी शामिल करने पर विचार के लिए केंद्र सरकार से सिफारिश करने को कहा था। मैतेई लोगों की राज्य में आबादी लगभग 53 प्रतिशत है। न्यायालय के इस आदेश ने आदिवासियों के बीच चिंता पैदा कर दी है, जो पहाड़ी जिलों में रहते हैं और राज्य की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा हैं। मणिपुर में नौकरियों और शिक्षा में एसटी के लिए 31 प्रतिशत आरक्षण है और अनुसूचित जनजातियों को लगता है कि उनके लाभ में कटौती हो जाएगी। कुकी जनजाति में ज्यादा गुस्सा है और छात्र संगठन उपद्रव पर उतर आए हैं। हालांकि, यह अच्छी बात है कि सरकार ने पूरी कड़ाई से स्थिति पर नियंत्रण किया है और आने वाले दिनों में भी राज्य सरकार को केंद्र के साथ मिलकर पूरी सतर्कता के साथ हिंसा पर नियंत्रण रखना चाहिए। आसपास के राज्यों में भी चिंता है। यह समय संयम व समझदारी बरतने का है। जिन आदिवासियों में असंतोष फैला है, उन्हें विश्वास में लेना चाहिए। उन्हें आश्वस्त करना चाहिए कि उनके आरक्षण लाभ में किसी तरह की कटौती नहीं होगी। मणिपुर का तनाव दूसरे राज्यों और राजनीतिक दलों के लिए एक सबक की तरह होना चाहिए। जो पार्टियां आरक्षण की राजनीति में अपना लाभ देखती हैं, उन्हें सतर्क हो जाना चाहिए। आरक्षण राजनीति का विषय नहीं है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि ज्यादातर राजनीतिक दलों के लिए यह एक आसान भावनात्मक मुद्दा होता है। राजनीतिक दलों को अमन-चैन के हित में आरक्षण की राजनीति से देर-सबेर निकलना ही होगा। केंद्र सरकार को ऐसा तंत्र विकसित करना चाहिए कि पिछड़ी जातियों की सही पहचान हो और उन्हें जरूरत के हिसाब से आरक्षण का लाभ मिल जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर के हालात पर निगाह रखे हुए हैं, उन्होंने कर्नाटक का चुनावी दौरा छोड़ दिया है। यह वाकई सतर्क रहने का समय है, अब चुनाव का मौसम बनने लगा है, असामाजिक तत्व, अपराधी और आतंकवादी लगातार चुनौतियां खड़ी करेंगे।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

जनगण के महाकवि थे गुरु रविंद्र नाथ टैगोर

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/)

- 7 मई जयंती पर विशेष

महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर को जनगण का कवि कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुरुदेव टैगोर दुनिया के एकमात्र ऐसे कवि हैं जिनके लिखे दो गीत दो देशों के राष्ट्रगान बने हैं। उनका लिखा गीत जन गण मन भारत का राष्ट्रीय गान बना है। वही उनका लिखा एक दूसरा गीत आमार सोनार बांग्ला बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान है। दुनिया में गुरुदेव जैसे विरले ही लोग होते हैं जिन्हें इतना बड़ा सम्मान मिला है। जिनके लिखे गीत दो देशों के राष्ट्रगान बनकर अमर हो गए। भारत और बांग्लादेश में जब भी कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम होता है तो गुरुदेव टैगोर द्वारा लिखित गीत राष्ट्रीय धुन के रूप में गाए जाते हैं। गुरुदेव के लिखे इन गीतों के माध्यम से उन्हें हर समारोह में याद किया जाता है।

ऐसा कोई भी भारतीय नहीं होगा जो रविंद्रनाथ टैगोर को नहीं जानता होगा। राष्ट्रीय कवि रविंद्रनाथ टैगोर ऐसी शख्सियत थे जिन्होने कई कविताएं, उपन्यास, कहानी लिख कर साहित्य के विभिन्न विद्याओं में अपनी उत्कृष्ट योगदान देकर संसार भर में ख्याति प्राप्त की। रविंद्रनाथ टैगोर ने अपनी रचना से ना केवल हिंदी साहित्य के विकास में योगदान दिया। बल्कि अनेकों कवियों और साहित्यकार को भी प्रोत्साहित किया है। वह एक ऐसे प्रकाश स्तंभ थे जिन्होंने पूरे संसार को अपनी रचनाओं के माध्यम से आलोकित किया।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा वे ही थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। रवींद्रनाथ टैगोर एक कवि, उपन्यासकार, नाटककार, चित्रकार, और दार्शनिक थे। गुरूदेव रविंद्रनाथ जी की रचनाओं की यही विशेषता थी कि वह अपनी रचनाओं में मानवीय दुखों और निर्बलता को बहुत ही कलात्मक ढंग से लिखते थे। अपनी सभी रचनाओं को मन और आत्मा से लिखते थे। यही कारण है कि उनकी ज्यादातर रचनाएं विश्व प्रसिद्ध हो गई।

वे अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे। उनका जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। रवींद्रनाथ टैगोर जी अपनी शुरुआत की पढ़ाई कोलकाता में प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल की। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया। फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया। किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश पुनः लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। टैगोर की माता का निधन उनके बचपन में हो गया था और उनके पिता व्यापक रूप से यात्रा करने वाले व्यक्ति थे। अतः उनका लालन-पालन अधिकांशतः नौकरों द्वारा ही किया गया था। टैगोर के भाई सतेंद्र टैगोर सिविल परीक्षा पास करके एक अच्छी नौकरी करते थे और दूसरे भाई ज्योतिरेंद्रनाथ संगीतकार और नाटक के कवि थे। हिंदी साहित्य में टैगोर का योगदान बहुत ही बड़ा और अविस्मरणीय है। मात्र 13 साल की उम्र में ही रविंद्र नाथ टैगोर जी की पहली कविता अभिलाषा एक तत्व भूमि नाम की पत्रिका में छपी थी। इंग्लैंड से वापस आने के बाद इन्होंने बंगाली भाषा में लिखना शुरू कर दिया था। 1877 तक उन्होंने अनेकों रचनाएं की और कई रचनाएं अनेकों पत्रिकाओं में छपी। 1842 में रविंद्र नाथ टैगोर जी ने हिंदू मुस्लिम - एकता और घरेलू उद्योगों के विषय पर एक गंभीर लेख लिखा। 1860 में इन्होंने पहला उपन्यास गोरा लिखा। रविंद्र नाथ जी एक अच्छे लेखक के साथ-साथ एक अच्छे दर्शन शास्त्री भी थे। जिसके माध्यम से इन्होंने कई रचनाओं का निर्माण किया और स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय लोगों को प्रभावित किया। बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' भी रविंद्र नाथ टैगोर के द्वारा ही लिखा गया है। अपनी असरदार लेखन से पूरब और पश्चिम के बीच की भी दूरी को कम कर दिया। रविंद्र नाथ टैगोर ज्यादातर बंगाली लोगों के जीवन पर आधारित रचनाएं लिखते थे। इन्होंने अपने कई रचनाओं में समाज के तत्कालीन कुरीतियों, गरीबी और विभिन्न अवस्थाओं का भी चित्रण किये हैं। इनकी रचना गलपगुच्छा में भारत के गरीबी, निरक्षरता और पिछड़ापन पर आधारित अनेकों कहानियों का संग्रह है। उनकी एक रचना पूरवी में इन्होंने संस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक, नैतिक और सामाजिक जैसे बहुत सारे विषयों के तहत संध्या और सुबह के गीतों को दर्शाया है। इन्होंने ना केवल अपनी लेखन के जरिए समाज की कुरीतियों को मिटाने की कोशिश की बल्कि स्वयं भी योगदान दिया। अपनी प्रथम पत्नी के देहांत के बाद इन्होंने मृणालिनी देवी नाम की एक विधवा औरत से विवाह किया और समाज में विधवा औरतों की खराब स्थिति को दूर करके विधवा विवाह को प्रोत्साहित करने की कोशिश की। इसके अतिरिक्त इन्होंने कल्पना, सोनार तारी, गीतांजलि, आमार सोनार बांग्ला, घेर-बेर, रबीन्द्र संगीत, चित्रांगदा, मालिनी, गोरा, राजा और रानी जैसे ना जाने कितने ही उपन्यास, कविता और लघु कथाओं की रचना की। 1913 में इनकी रचना गीतांजलि के लिए इन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रविंद्र नाथ टैगोर बड़े साहित्यकार होने के साथ ही एक महान शिक्षा शास्त्री भी थे। इन्हें शिक्षा का सही अर्थ मालूम था। इनके अनुसार सर्वोत्तम शिक्षा वही है, जो संपूर्ण दुनिया के साथ-साथ हमारे जीवन का भी सामंजस्य स्थापित करती है। इनके अनुसार शिक्षा मनुष्य की शारीरिक, आर्थिक, बौद्धिक, व्यवसाय और आध्यात्मिक विकास का आधार है।

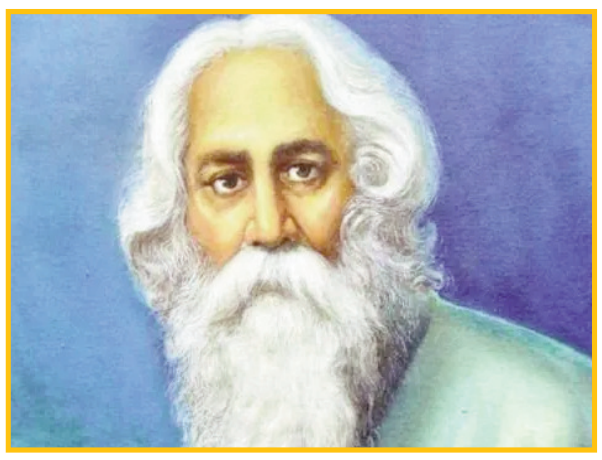

रविंद्र नाथ टैगोर मानते थे कि बच्चों को बंद कमरे में शिक्षा देने से ज्यादा अच्छा है। उन्हें खुले वातावरण में प्रकृति के बीच में बिठाकर शिक्षा दें। उनका मानना था कि प्रकृति के शांति भरे वातावरण में बच्चे प्रकृति का अवलोकन कर सकते हैं और उसका एक हिस्सा बन सकते हैं। ऐसे माहौल में आसानी से सब कुछ समझ में आता है। मिट्टी पर खड़े पेड़ पौधे, बदलते मौसम, पंछियों का चहचहाना, विभिन्न जीव जंतुओं से भरे प्राकृतिक परिवेश बच्चों को कला की प्रेरणा देती है। इसीलिए इन्होंने कोलकाता शहर से 180 किलोमीटर दूर 1901 को शांतिनिकेतन की स्थापना की। उन्होंने सिर्फ 5 बच्चों को लेकर ये स्कूल खोला था जो 1921 में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बन गया। आज शांति निकेतन का नाम बदलकर विश्वभारती हो गया हैं। जहां लगभग 6000 छात्र पढ़ते हैं। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अंग्रेजी हुकूमत का विरोध करते हुए 'सर' की उपाधि लोटा दी थी। उन्हें बिट्रिश प्रशासन 1915 में 'नाइट हुड' नाम से ये उपाधि देना चाहते थे। उनके नाम के साथ सर लगाया गया था। टैगोर ने जलियावाला हत्याकांड की बजह से अंग्रेजों के दिए इस सम्मान को लेने से इनकार कर दिया था। इससे पहले भी 16 अक्टूबर 1905 को रवीन्द्रनाथ टैगोर के नेतृत्व में कोलकाता में मनाये गए रक्षाबंधन उत्सव से 'बंग भंग' आंदोलन की शुरुआत हुई थी। उनका देश की आजादी के सघर्ष में भी बहुत योगदान था।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

बिलावल को मिलेंगे कई भुट्टो भारत में

गोवा में एससीओ सम्मेलन/ विवेक शुक्ला

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी 4-5 मई को गोवा में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने भारत आएंगे। उनका विमान जब मुंबई के ऊपर से गुजर रहा होगा तो उन्हें अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो के मुंबई से संबंधों को लेकर सुनी-पढ़ी बातें जेहन में आने लगेंगी। उन्होंने मुंबई के कैथडेरल स्कूल का नाम संभवत- अपनी मां बेनजीर भुट्टो से सुना होगा। जब पाकिस्तान 1947 में बना तब तक बिलावल के नाना जुल्फिकार अली भुट्टो कैथडेरल स्कूल से पढ़कर निकल चुके थे। भुट्टो परिवार पाकिस्तान 1947 में नहीं गया था। मुसलमानों के लिए बने पाकिस्तान में भुट्टो खानदान 1950 में शिफ्ट हुआ था। भुट्टो कुनबे के राजनीतिक दुश्मन इस मुद्दे पर उनकी पाकिस्तान को लेकर निष्ठा पर सवाल उठाते रहते हैं। इस निशाने से बचने के लिए भुट्टो कुनबा भारत का कसकर विरोध करता है। दरअसल, जब गांधी जी की 1948 में हत्या हुई तब जुल्फिकार अली भुट्टो अमेरिका में पढ़ रहे थे। संयोग से वहां पर पीलू मोदी भी थे। बिलावल भुट्टो को यह जानकारी होगी कि उनके नाना की मां हिंदू थी। उनका निकाह से पहले नाम लक्खीबाई था। बाद में हो गया खुर्शीद बेगम। वो मूलत- राजपूत परिवार से संबंध रखती थी। उन्होंने निकाह करने से पहले ही इस्लाम स्वीकार किया था। जुल्फिकार अली भुट्टो के पिता सर शाहनवाज भुट्टो देश के विभाजन से पहले मौजूदा गुजरात की जूनागढ़ रियासत के प्रधानमंत्री थे। शाहनवाज भुट्टो जूनागढ़ के प्रधानमंत्री के पद पर 30 मई, 1947 से लेकर 8 नवंबर, 1947 तक रहे। जब बेनजीर भुट्टो की निर्मम हत्या हुई थी तब जूनागढ़ में भी शोक की लहर दौड़ गई थी। जूनागढ़ शहर की जामा मस्जिद में इमाम मौलाना हाफिज मोहम्मद फारूक की अगुवाई में उनकी आत्मा की शांति के लिए नमाज भी अदा की गई थी। बहरहाल, भारत बिलावल भुट्टो जरदारी से नाराज है क्योंकि कुछ माह पहले न्यूयार्क में बिलावल ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'गुजरात का कसाई' कहा था। भारत ने तब बिलावल की गटर बयानबाजी पर कड़ा विरोध जताया था। बहरहाल, जुल्फिकार भुट्टो के कई अर्थों में भारत से करीबी संबंध थे। उनके मुम्बई और जूनागढ़ से रिश्तों की जानकारी जगजाहिर है। भुट्टो जब मुम्बई के प्रतिष्ठित कैथडेरल स्कूल में पढ़ रहे थे तब उनके परम मित्र थे पीलू मोदी, जो राज्यसभा में भी रहे। पीलू मोदी ने अपनी किताब 'जुल्फी माई फ्रेंड' में एक जगह लिखा भी है कि हालांकि हम दोनों घनिष्ठ मित्र थे 1946 में, पर जुल्फिकार टू नेशन थ्योरी पर यकीन करते थे। वे जिन्ना के आंदोलन को सही मानते थे। इसके विपरीत उन्हें कभी ये बात समझ नहीं आ रही थी कि भारत धर्म के नाम पर बंटेगा। भुट्टो 1973 से 1977 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। जरा सोचिए कि जिस शख्स का पाकिस्तान को दोफाड़ करवाने में अहम रोल था वह 1973 के पाकिस्तान के आम चुनाव में जीतकर मुल्क का प्रधानमंत्री ही बन गया। बना इसलिए क्योंकि उन्होंने उसी न्यूयार्क शहर में भारत-पाकिस्तान युद्ध की समाप्ति पर संयुक्त राष्ट्र सभा को संबोधित करते हुए भारत को अनाप-शनाप बका था। इसके चलते पाकिस्तानी अवाम ने उनकी पाकिस्तान को तोड़ने की खता को माफ कर दिया। बहरहाल, भुट्टो 35 साल की उम्र में पाकिस्तान के विदेशमंत्री बन गए थे। 1965 में अय्यूब खान को उनके विदेशमंत्री भुट्टो द्वारा कश्मीर में घुसपैठियों को भेजने के लिए भड़काया गया था। शास्त्री ने इसका जवाब लाहौर की तरफ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार टैंक भेज कर दिया। ये लड़ाई ताशकंद में सोवियत यूनियन की मध्यस्थता से शांति के साथ ख़त्म हुई। लेकिन अय्यूब ख़ान से मतभेद होने के कारण उन्होंने अपनी नई पार्टी (पीपीपी) 1967 में बनाई। 1962 के भारत-चीन युद्ध, 1965 और 1971 के पाकिस्तान युद्ध, तीनों के समय वे महत्वपूर्ण पदों पर आसीन थे। 1965 के युद्ध के बाद उन्होंने ही पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम का शुरुआती ढांचा तैयार किया था। उन्हें चार अप्रैल, 1979 को फ़ांसी पर लटका दिया गया था। फांसी पर चढ़ाए जाने के महज़ दो साल पहले तक वे पाकिस्तान के वज़ीर-ए-आज़म थे। जुल्फिकार अली भुट्टो की मौत के नौ साल के बाद उनकी बेटी बेनज़ीर भुट्टो पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बनीं। बेनजीर का भारत विरोध अपने पिता जितना तीखा नहीं था। वो कई बार भारत आईं। सबसे पहले अपने पिता के साथ शिमला समझौते के समय भारत आई थीं। इस बीच, भुट्टो के पिता शाहनवाज भुट्टो की बात किए बगैर बात तो अधूरी ही रहेगी। वे भी कट्टर भारत विरोधी थे। हालांकि जूनागढ़ में 99 से अधिक फीसदी आबादी हिन्दुओं की थी पर वहां पर राज मुहम्मद महाबत खनजी का था। शाहनवाज उनकी रियासत में प्रधानमंत्री थे। उन्होंने खनजी को सलाह दी कि वह जूनागढ़ का पाकिस्तान में विलय कर लें। पर इसका वहां की जनता ने कसकर विरोध किया। जूनागढ़ में जनमत संग्रह भी हुआ। यह 1948 में हुआ था और वहां के 99.95 फीसद लोगों ने भारत के साथ ही रहने का फैसला किया था। हां, एक बात तय मानकर चलिए कि उनके गोवा में आने से भारत-पाकिस्तान संबंधों में कोई गर्माहट तो नहीं आएगी।

देवर्षि नारद धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने वाले सृष्टि के आदर्श पत्रकार

(लेखक - सनत जैन)

देवर्षि नारद तीनों लोकों में धर्म और न्याय के मार्ग पर चलकर पत्रका रिता धर्म का निर्वाह किया। प्रकृति के सभी जीवों और प्रकृति के लोक हित में उन्होंने काम किया। देवर्षि नारद देवकुल के होते हुए भी पत्रकारिता के धर्म को निभाने में देवताओं की भी आलोचना करने में कभी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों आदिशक्ति के संपर्क में रहकर तीनों लोकों के सभी जीवो के हित में उन्होंने देवताओं, राक्षसों और मानवों के बीच में संतुलन बनाए रखा। उसके कारण देवता, राक्षस और मानव कोई भी मनमानी नहीं कर पाए। यदि कोई मनमानी करने उतारू हुआ तो नारद जी ने दूसरे पक्ष को सक्रिय करके, उसकी मनमानी पर रोक लगाने का हरदम प्रयास किया। नारद जी पहले ऐसे पत्रकार थे, जिनकी आलोचना देवता, राक्षस और मानव सभी करते थे। तीनों लोकों में उनकी छवि लगाउ-बुझाऊ ऋषि के रूप में होती थी। लेकिन उनके सम्मान में कभी कमी नहीं आई। उन्होंने स्वतंत्रता के साथ देवताओं, राक्षसों और मानवों के बीच में विचरण करते हुए पत्रकार धर्म का निर्वाह किया। नारद जी पहले ऐसे पत्रकार थे, जिन्होंने धर्म और न्याय के लिए समय-समय पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश से मार्गदर्शन प्राप्त किया। संबंधित पक्ष तक संवाद कर पूरी सृष्टि के बीच में समन्वय बनाने का काम किया। नारद भक्ति सूत्र में उल्लेख है। किसी भी मत को मानने से पहले उसकी स्वयं अनुभूति करना पत्रकार का पहला धर्म है। पत्रकार को अनुभूति करके विवेक के अनुसार संवाद करके न्याय और धर्म का मार्ग अपनाना ही सच्ची पत्रकारिता है। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति में वसुदेव कुटुंबकम पर आधारित 84 लाख योनियों के सभी जीवो का कल्याण निहित है। नारद जी पत्रकारिता के आदि पुरुष होने के साथ-साथ पत्रकारों के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व है। उन्होंने सदैव सोचा बिचारा और फिर संवाद किया जिससे, सृष्टि में संतुलन बना रहा। नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारों को अपने कुलगुरू नारद के जीवन चरित्र से सबक लेने की आवश्यकता है। वह कभी भी देवताओं की आलोचना से घबराए नहीं। देवता जहां गलत होते थे, वहां उनको नियंत्रित करने का कोई भी मौका उन्होंने नहीं छोड़ा। देव, राक्षस और मानव जब शक्तियां प्राप्त करके अति करने लगते थे। उस समय नारद जी ने काई भी पक्ष शक्तियों का दुरुपयोग ना कर पाये। उसको नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर एक दूसरे पक्ष के साथ संवाद के माध्यम से ग तिशील कर शक्तियों को नियंत्रित करने का काम भी करते रहे हैं, जिसके कारण आदिशक्ति ब्रह्मा, विष्णु, महेश के वह परम भक्त बने रहे।

नारद जयंती के अवसर पर यही कहा जा सकता है कि प्रकृति के सभी जीवो को, ईश्वरीय अंश के रूप में स्वीकार करना सनातन परम्परा है। प्रकृति ने हर जीव को एक दूसरे का भोजन बनाया है। सभी को जीवन जीने की आजादी दी है। इस आजादी को कोई भी शक्ति छीन नहीं सकती है। यदि वह छीनने की कोशिश करती है, तो यह अधर्म है। जो ईश्वरीय न्याय के विपरीत है।

प्रतिकार पत्रका रिता धर्म में सदैव किसी भी विषय पर अनुसंधान करना, सही और गलत को जानना, किसी भी पक्ष से प्रभावित हुए बिना समाज के बीच संवाद करना, पत्रकारों का आदर्श गुण है। वर्तमान परिपेक्ष्य में मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता करना भूल गए हैं। पत्रकारिता को हमने जीवन यापन और भौतिक संसाधनों का साधन मान लिया है। जिसके कारण पत्रकारिता की श्रेष्ठता और सम्मान खत्म होता जा रहा है। पत्रकारिता के माध्यम से ही राष्ट्रवाद विश्व कल्याण, प्रकृति के सभी जीवों को बिना किसी भय के जीने का अधिकार बताने का दा यित्व पत्रकारों का है। वर्तमान पत्रकारिता में विचारधारा, जाति, ज्ञान, कुल, धर्म इत्यादि का भेद करके जो पत्रकारिता की जा रही है। इससे किसी का भला नहीं हो रहा है, जो भी वर्ग शक्तिशाली होता है। पत्रकार उनका गुणगान करके अपनी भौतिक आवश्यकताओं को पूरा करने एवं सुख भोगने का जो मार्ग अपना रहे हैं। वह कुछ समय के लिए तो प्रभावी रूप में सामने आता है। किंतु जब समय खत्म होता है। भौतिक सुख सुविधाएं और संसाधन भी समाप्त हो जाते हैं। तब पत्रकार की यश और कीर्ति भी खत्म हो जाती है। ऐसे पत्रकारों का सार्वज निक जीवन भी बड़ा कष्टप्रद होता है। वर्तमान में गोदी मी डिया के पत्रकारों के लिये जो जन-धारणा बन रही है, इससे पत्रकारों को बचना चा हिए। पत्रकारिता का धर्म लोक कल्याण लोकहित संरक्षण के लिए सभी शक्तियों के बीच में समन्वय बनाने की जिम्मेदारी को ही पत्रकारिता माना जाता है। वर्तमान समय में पत्रकारों के लिए आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेबी ने ट्रांजिशन बॉन्ड के लिए जारी किए अतिरिक्त प्रावधान

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि ट्रांजिशन बॉन्ड से संबंधित नए प्रावधान लागू करने का मकसद यह है कि इनके जरिये जुटाई गई राशि को दूसरी तरह आवंटित न कर दिया जाए। ट्रांजिशन बॉन्ड हरित गतिविधियों के लिए वित्त जुटाए जाने का ही एक माध्यम है। सेबी ने निवेशकों के बीच पारदर्शिता और सूचना पर आधारित निर्णय-निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रांजिशन बॉन्ड जारी करने और उनकी सूचीबद्धता से संबंधित नए प्रावधान जारी किए। सेबी ने एक परिपत्र में कहा कि ट्रांजिशन बॉन्ड से संबंधित नए प्रावधान लागू करने का मकसद यह है कि इनके जरिये जुटाई गई राशि को दूसरी तरह आवंटित न कर दिया जाए। ट्रांजिशन बॉन्ड हरित गतिविधियों के लिए वित्त जुटाए जाने का ही एक माध्यम है। ट्रांजिशन बॉन्ड किसी कंपनी के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने से जुड़ी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए जारी किए जाते हैं। वहीं हरित बॉन्ड जलवायु एवं पर्यावरणीय परियोजनाएं लाने के लिए जारी किए जाते हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा कि ट्रांजिशन बॉन्ड जारी करने का इरादा रखने वाली कंपनी को सार्वजनिक निर्गम के पेशकश दस्तावेज में अतिरिक्त सूचनाएं देनी जरूरी होंगी। ऐसे बॉन्ड के निजी आवंटन में भी यह प्रावधान लागू होगा। ट्रांजिशन' बॉन्ड जारी करने वाली कंपनी को अपने उत्सर्जन कटौती लक्ष्य का ब्योरा देने के साथ यह भी बताना होगा कि परियोजना को लागू करने के लिए किस तरह की रणनीति अपनाई जाएगी। जारीकर्ता कंपनी इसके क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए एक समिति भी बना सकती हैं।

श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च में बढ़कर 2.69 अरब डॉलर

कोलंबो । कर्ज का सामना कर रहे श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 2.69 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले इसी महीने में विदेशी मुद्रा भंडार पांच करोड़ डॉलर था। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के जारी आंकड़ों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार के संकेत मिल रहे हैं। श्रीलंका वित्तीय संकट में है और उस पर कुल 83.6 अरब डॉलर कर्ज है, जिसमें से विदेशी कर्ज 42.6 अरब डॉलर जबकि घरेलू कर्ज 42 अरब डॉलर है। श्रीलंका ने अप्रैल, 2022 में अपनी पहली ऋण चूक की घोषणा की थी। यह 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद उसका सबसे खराब आर्थिक संकट था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो गई थी और महंगाई तथा उत्पादों की कमी को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई थी। आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष मई के पांच करोड़ डॉलर से सुधरकर अब मार्च, 2023 में 2.69 अरब डॉलर हो गया है।

देश में जनवरी-मार्च 2023 में सबसे अधिक साइबर हमले हुए

नई दिल्ली । देश में प्रत्येक संस्था को वर्ष 2023 की पहली तिमाही में औसतन 2,108 साप्ताहिक हमलों का सामना करना पड़ा, जो एक साल पहले की अवधि की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक है। एक सॉफ्टवेयर प्रदाता कंपनी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि साइबर अपराधी कोड बनाने के लिए चैटजीपीटी जैसे वैध माध्यम का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि वर्ष 2023 की पहली तिमाही के दौरान, भारत में औसत साप्ताहिक साइबर हमलों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई और प्रत्येक संगठन को औसतन 2,108 साइबर साप्ताहिक हमलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया कि इस तिमाही के दौरान पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में वैश्विक साप्ताहिक साइबर हमलों में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ईडी ने 2,000 करोड़ रुपए के शेयर जब्त किए: मणप्पुरम एमडी

- ईडी ने कहा कि उसने केरल के त्रिशूर में छह परिसरों की तलाशी में 143 करोड़ फ्रीज किए थे

चेन्नई ।

मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वीपी नंदकुमार ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग 2,000 करोड़ रुपए के शेयरों को जब्त कर लिया है, न कि लगभग 143 करोड़ रुपए। ईडी ने कहा कि उसने हाल ही में मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड और उसके एमडी नंदकुमार से संबंधित केरल के त्रिशूर में छह परिसरों की तलाशी ली थी और विभिन्न खातों में पड़े 143 करोड़ रुपए को फ्रीज कर दिया था। जनता से जमा के अवैध संग्रह से मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में पीएमएलए के तहत जांच के हिस्से के रूप में तलाशी ली गई थी। ईडी की खोजों के परिणामस्वरूप सार्वजनिक जमा के रूप में मनी लॉन्ड्रिंग और बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन के साक्ष्य का पता चला, कथित तौर पर नंदकुमार ने अपनी मालिकाना फर्म, मणप्पुरम एग्रो फार्म्स (एमएआरजीओ) के माध्यम से आरबीआई की मंजूरी के बिना किया था। मणप्पुरम फाइनेंस के बोर्ड को दिए स्पष्टीकरण में नंदकुमार ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जिन शेयरों को फ्रीज किया गया है, वह लगभग 2,000 करोड़ रुपए के हैं, लेकिन उनके लिए जिम्मेदार मूल्य लगभग 140 करोड़ रुपए है। मैं इस मामले में अपने कानूनी विकल्पों की समीक्षा कर रहा हूं। लेकिन मैं आपको मामले पर लिखित अपडेट देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, लंबित जमा की कुल राशि, जिससे मामला संबंधित है 10 लाख रुपए से कम है, जो एस्क्रो खाते में पड़ा हुआ है। एमएआरजीओ वालापड़ और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों से जमा स्वीकार करता था, जहां उसके परिवार ने 60 से अधिक वर्षों से कारोबार किया था और उन्हें ब्याज देता था।

उन्होंने पत्र में कहा कि 1 फरवरी, 2012 को बकाया जमा की कुल मात्रा 143.85 करोड़ रुपए थी, जो एमएआरजीओ की पुस्तकों में विधिवत दर्ज की गई थी। नंदकुमार के अनुसार, 2012 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से संचार प्राप्त होने पर, एमएआरजीओ ने जमा स्वीकार करना, नवीनीकरण करना और जमा करना बंद कर दिया था और अपनी सभी जमा राशि चुकाने का फैसला किया था।

जनवरी-मार्च के दौरान भारत में सोने की मांग 17 प्रतिशत घटी: डब्ल्यूजीसी

नई दिल्ली । सोने की लगातार बढ़ रही कीमतों से जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान सोने की मांग में गिरावट देखी गई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान भारत की सोने की मांग 17 प्रतिशत घटकर 112.5 टन रह गई। यह गिरावट सोने की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर चढ़ जाने और कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण हुई। डब्ल्यूजीसी के सोने की मांग रुझान के मुताबिक 2022 में इसी तिमाही के दौरान 135.5 टन थी। डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय सीईओ (भारत) सोमसुंदरम पीआर ने कहा कि वर्ष 2023 की पहली तिमाही में भारत की सोने की मांग सालाना आधार पर 17 प्रतिशत गिरकर 112.5 टन हो गई। ऐसा कीमतों के रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ जाने और उतार-चढ़ाव से हुआ। इससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई और सोने के आभूषणों की मांग 2022 की पहली तिमाही में 94.2 टन से घटकर जनवरी-मार्च 2023 में 78 टन रह गई। समीक्षाधीन तिमाही में वैश्विक स्तर पर सोने की मांग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत घटकर 1,080.8 टन रह गई। इससे एक साल पहले इसी तिमाही में यह मांग 1,238.5 टन थी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने के उच्च स्तर पर

- एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 2.16 अरब डॉलर की गिरावट आई थी

नई दिल्ली ।

बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.532 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले 21 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 2.16 अरब डॉलर की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 588.780 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसी सप्ताह पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 56 लाख डॉलर की कमी हुई है। अब वहां 4.457 अरब डॉलर का ही भंडार रह गया है। रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.532 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार 588.780 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पहले 21 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 2.16 अरब डॉलर की कमी हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले 1.567 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी।

अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों पर गौर करें तो 28 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना अपना फॉरेन करेंसी असेट भी बढ़ा है। आलोच्य सप्ताह के दौरान यह 4.99 अरब डॉलर बढ़ कर 519.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.146 अरब डॉलर की कमी हुई थी। तब यह घटकर 514.489 अरब डॉलर रह गया था।

उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घटबढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के सोने के भंडार का मूल्य घट गया है। आलोच्य सप्ताह के दौरान यह 49.4 करोड़ डॉलर घट कर 45.65 अरब डॉलर रह गया है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 2.4 करोड़ डॉलर की कमी हुई थी। जब अपना स्वर्ण भंडार 46.151 अरब डॉलर तक गिर गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार बीते सप्ताह के दौरान भारत के विशेष आहरण अधिकार में बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान यह 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.466 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले के सप्ताह के दौरान भी इसमें 1.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का रिजर्व भंडार 4 करोड़ डॉलर घटकर 5.172 अरब डॉलर रह गया।

वैश्विक विदेशी मुद्रा में डॉलर की हिस्सेदारी 58 प्रतिशत गिरी 1995 के बाद सबसे कम

वाशिंगटन।

अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने अपने बयान में कहा था कि रुस पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण डॉलर का प्रभुत्व कम होने का जोखिम है, लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद बाइडन प्रशासन ने अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लेने का आरोप लगाकर रुस और ईरान की कंपनियों के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिका प्रतिबंधों के नकारात्मक पक्ष से अवगत है, जिसे वह विदेश नीति के हथियार के रूप में उपयोग करता है, लेकिन अधिकारियों और विशेषज्ञों ने संकेत दिया है कि उनका मानना है कि डॉलर के किसी एक मुद्रा या उनमें से किसी भी समय जल्द ही बढ़ने की संभावना नहीं है। क्योंकि, अन्य कारणों के अलावा, कोई विकल्प नहीं हैं। डॉलर ने वास्तव में वैश्विक व्यापार और विनिमय के लिए मुद्रा के रूप में अपना दर्जा खो दिया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अप्रैल में कहा था कि वैश्विक विदेशी मुद्रा में इसकी हिस्सेदारी 58 प्रतिशत गिर गई है, जो 1995 के बाद सबसे कम है। कुछ विशेषज्ञों ने डॉलर की गिरावट का एक अधिक संस्करण प्रस्तुत किया है। वाशिंगटन डीसी डी-डॉलरीकरण को मुख्य रूप से रूस और चीन द्वारा अपनी अर्थव्यवस्थाओं को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचाने के लिए, अमेरिकी आर्थिक और मौद्रिक नीति के प्रभावों के जोखिम को कम करने और वैश्विक स्तर पर दावा करने के दशकों लंबे प्रयास के रूप में देखता है। आर्थिक नेतृत्व, जैसा कि कांग्रेस रिसर्च सर्विस (सीआरएस) द्वारा तैयार एक रिपोर्ट में कहा गया है, एक स्वायत्त निकाय जो अमेरिकी कांग्रेस को नीतिगत मुद्दों पर अनुसंधान मार्गदर्शन प्रदान करता है। रूस और चीन द्वारा डी-डॉलरीकरण के प्रयासों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों देशों के साथ और उनके बीच अमेरिकी संबंधों पर कई सीआरएस रिपोर्टों में शामिल किया गया है। चीन द्वारा डॉलर को कमजोर करने के लिए जो कुछ भी किया जा रहा है, उसके बावजूद अमेरिकी मुद्रा में उसका खुद का अटूट विश्वास उसके विदेशी मुद्रा भंडार की होल्डिंग में परिलक्षित होता है। उनमें से 50 प्रतिशत- 60 प्रतिशत डॉलर मूल्यवर्ग की संपत्ति हैं। दूसरी ओर, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के पास अपने विदेशी मुद्रा भंडार का केवल 2 प्रतिशत रॅन्मिन्बी में है, जो कि कड़े नियंत्रण वाली चीनी मुद्रा है।

एनसीएलटी में गोफर्स्ट से जुड़ी दो याचिकाओं पर सुनवाई 8 मई को

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी गोफर्स्ट के खिलाफ दो दिवाला समाधान याचिकाओं पर राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) आठ मई को सुनवाई करेगा। संकट का सामना कर रही वाडिया समूह की गोफर्स्ट ने स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही के साथ-साथ वित्तीय दायित्वों पर अंतरिम रोक लगाने का आग्रह किया है। इसके पहले मामले की सुनवाई करने के बाद एनसीएलटी ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। अधिवक्ताओं के अनुसार न्यायाधिकरण विमानन कंपनी के खिलाफ दायर दो दिवाला याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। एक याचिका विमानन कंपनी के लिए परिवहन सेवाएं प्रदान करने वाली एसएस एसोसिएट्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने दायर की है जिसमें लगभग तीन करोड़ रुपए का दावा किया गया है। दूसरी याचिका एक पायलट ने दायर की है। उसने अपनी सेवाओं के एवज में एक करोड़ रुपए से अधिक का बकाया होने का दावा किया है।

अमारा राजा ने तेलंगाना में 9.5 हजार करोड़ रुपए के लिथियम सेल संयंत्र का शिलान्यास किया

हैदराबाद: अमारा राजा बैटरीज लिमिटेड ने शनिवार को तेलंगाना के महबूबनगर जिले में लिथियम सेल और बैटरी पैक बनाने के लिए राज्य की पहली गीगाफैक्टरी का भव्य शिलान्यास किया। इस फैक्टरी में लिथियम सेल की अधिकतम उत्पादन क्षमता 16 गीगावाट घंटा और बैटरी पैक की अधिकतम उत्पादन क्षमता पांच गीगावाट घंटा होगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस मौके पर तेलंगाना के उद्योग मंत्री के टी रामाराव, अमारा राजा समूह के संस्थापक रामचंद्र एन गल्ला और कंपनी के चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक एआरबीएल जयदेव गल्ला उपस्थित थे। एआरबीएल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी तेलंगाना में लिथियम आयन बैटरी बनाने के लिए एक नए संयंत्र की स्थापना और अनुसंधान तथा विकास के लिए 10 साल में 9,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि इस संयंत्र से करीब 4,500 लोगों को सीधे रोजगार मिलने की उम्मीद है और इतनी ही संख्या में लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी बाजारों में भारी गिरावट के कारण घरेलू निवेशकों ने बैंकिंग और फाइनेंस, मेटल और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली की, जिससे भारतीय शेयर बाजार में हाल के सप्ताहों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। बीते सप्ताह सोमवार 01 मई को मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में शेयर बाजार बंद रहे। जिसकी वजह से पिछले सप्ताहे शेयर बाजार में केवल चार दिन कारोबार देखा गया। शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 189.17 अंक की उछाल के साथ 61,301.61 पर खुला और 242.27 अंकों की बढ़त के साथ 61,354.71 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 59.80 अंक की उछाल के साथ 18,124.80 पर खुला और 82.65 अंकों की मजबूती के साथ 18,147.65 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 217.80 अंकों की गिरावट के साथ 61,136.91 पर खुला और 161.41 अंकों की गिरावट के बाद 61,193.30 पर बंद हुआ। निफ्टी 65.50 अंक फिसल कर 18,082.15 पर खुला और 57.80 अंक फिसलकर 18,089.85 पर बंद हुआ।

बुधवार को लाल निशान पर बंद होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को फिर हरियाली लौट आई है। सेंसेक्स 72.43 अंकों की बढ़त के साथ 61,265.73 पर खुला और 555.95 अंकों की मजबूत उछाल के साथ 61,749.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 32.20 अंकों की मजबूती के साथ 18,122.05 पर खुला और 165.95 अंकों की बढ़त के साथ 18,255.80 पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स 586.15 अंक गिरकर 61,163.10 पर खुला और 694.96 (1.13 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 61,054.29 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 150.9 टूटकर 18,104.90 पर खुला और 186.80 (1.02 फीसदी) अंक टूटकर 18,069.00 पर बंद हुआ।

तेल-तिलहन बाजार में तेजी का रुख रहा

नई दिल्ली ।

दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शुक्रवार को ज्यादातर तेल-तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए। हालांकि मांग कमजोर रहने से मूंगफली तेल तिलहन और कच्चा पामतेल (सीपीओ) के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे।बाजार सूत्रों ने कहा कि शिकॉगो एक्सचेंज शुक्रवार रात 2 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ था और फिलहाल यहां 4 प्रतिशत की तेजी है। मलेशिया एक्सचेंज भी 4.75 प्रतिशत मजबूत रहा और शाम का कारोबार बंद है। शुक्रवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,075-5,175 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,750-6,810 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,650 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,520-2,785 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,550 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,610-1,680 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,610-1,720 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,550 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,250 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,200 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला 9,350 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,360-5,410 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,110-5,190 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

अप्रैल में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन मगर आयात के टैक्स में 5 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

इस साल अप्रैल में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया लेकिन विदेश में घटी मांग व जिंस की कम कीमत का कर संग्रह पर असर पड़ा है। यह आयातित वस्तुओं पर लगे एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) के संग्रह से उजागर होता है। इस मद में साल 2023-24 के पहले महीने में बीते साल की तुलना में 4.7 फीसदी की गिरावट आई। इस वित्त वर्ष के पहले महीने में आईजीएसटी मद में 34,772 करोड़ रुपए आए हैं, जबकि बीते साल की इसी महीने में 36,705 करोड़ रुपए मिले थे। आयातित वस्तुओं पर आईजीएसटी में गिरावट की वजह मार्च महीने में आयात में कमी भी है।

मार्च में वस्तुओं का आयात करीब 8 फीसदी गिरकर 58.11 अरब डॉलर पर आ गया था। अप्रैल का जीएसटी संग्रह मार्च की आर्थिक गतिविधियों के मुताबिक होता है। उदाहरण के तौर पर भारत में आयात होने वाले कच्चे तेल की कीमत मार्च में 30.4 प्रतिशत घटकर 78.54 डॉलर प्रति बैरल रह गई, जो एक साल पहले 112.87 डॉलर प्रति बैरल थी।

इसी के मुताबिक कच्चे तेल और उसके उत्पादों का आयात एक साल पहले की तुलना में करीब 24 प्रतिशत गिरकर मार्च 2023 में 16.1 अरब डॉलर रह गई। अप्रैल में घरेलू कारोबार पर आईजीएसटी 19.8 फीसदी बढ़कर 54,186 करोड़ रुपये हो गया, जिस पर जिंसों की कीमत में कमी का असर नजर आ रहा है। एक राज्य से दूसरे राज्य में वस्तुओं के कारोबार पर आईजीएसटी लगता है। हालांकि वस्तुओं के आयात पर लगने वाले उपकर पर जिंसों की कीमत में कमी का कोई असर नहीं पड़ा है। यह अप्रैल में 5 फीसदी से थोड़ा अधिक बढ़कर 901 करोड़ रुपए हो गया। यह एक साल पहले 857 करोड़ रुपए था।

कच्चा तेल महंगा, मप्र और महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 3.86 फीसदी की तेजी के साथ 75.30 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में शनिवार को तेजी दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.05 फीसदी बढ़कर 71.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 3.86 फीसदी की तेजी के साथ 75.30 डॉलर पर बिक रहा है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 19 पैसे सस्ता हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 43 और डीजल में 42 पैसे की गिरावट है। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 33 पैसे महंगा बिक रहा है। पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्रमशः 46 और 43 पैसे की बढ़ोतरी है। इसके अलावा त्रिपुरा, तेलंगाना, मिजोरम और पंजाब में भी फ्यूल कल के मुकाबले आज थोड़ा महंगा बिक रहा है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे पंड्या बंधु

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में रविवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला लखनऊ सुपरजाइंट्स से होगा। इस मैच में सभी को दो भाइयों की टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। हार्दिक पंड्या जहां गुजरात की कप्तानी कर रहे हैं। वहीं लोकेश राहुल के बाहर होने के कारण ऋुणाल पंड्या को लखनऊ सुपरजायंटस की कप्तानी मिली है। अब देखना होगा दोनो में से किसकी टीम जीतती है। गुजरात जहां प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं, वहीं लखनऊ भी अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच को किसी भी हाल में जीतना चाहेगी। हार्दिक ने जहां कई अवसरों पर भारतीय टीम की कप्तानी की है। वहीं ऋुणाल को भी घरेलू क्रिकेट में बड़ौदा टीम की कप्तानी का अनुभव है। यह पहली बार होगा जबकि आईपीएल में दो भाईयों की टीमें में मुकाबला है।

हार्दिक की कप्तानी में गुजरात ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनकी टीम 14 अंक लेकर अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर है। वहीं ऋुणाल ने इससे पहले सीएसके के खिलाफ मैच में भी लखनऊ की कप्तानी की थी पर बारिश के कारण वह मुकाबला पूरा नहीं हो पाया था। अब देखना है कि वह अपनी टीम को प्रेरित करने में कितने सफल होते हैं। इस मैच में टीम को तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के बिना ही उतरना होगा। उनादकट भी चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गये हैं।

लखनऊ की टीम अभी 11 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले दोनों मैचों में लखनऊ की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है जिसे अब उसके बल्लेबाजों को सुधारना होगा। टीम का प्रदर्शन भी अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। उसके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखी गयी है। टीम ने इस मैच में राहुल की जगह पर अनुभवी करुण नायर को अपनी टीम में शामिल किया है। करुण टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने का उसे नुकसान होगा। ऐसे में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज नवीन उल हक के

अलावा स्पिनर रवि बिश्नोई और अमित मिश्रा पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है।

टीम के पास तेज गेंदबाज के तौर पर अनुभवी मोहम्मद शमी और स्टार स्पिनर राशिद खान हैं। टीम की बल्लेबाजी हार्दिक के अलावा शुभमन गिल और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों पर टिकी है। कुल मिलाकर देखा जाये तो गुजरात टीम की दावेदारी ज्यादा मजबूत नजर आती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

लखनऊ सुपरजाइंट्स : ऋुणाल पंड्या (कप्तान), आवेश खान, आयुष बडोनी, क्विंटन डी कॉक, कृष्णप्पा गौतम, अर्पित गुलेरिया, दीपक हुड्डा, प्रेरक मांकड़, करुण नायर, काइल मेयर्स, अमित मिश्रा, मोहसिन खान, नवीन-उल-हक, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, डेनियल सैम्स, करण शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मार्कस स्टोइनिस, स्वप्निल सिंह, जयदेव उनादकट, मनन वोहरा, मार्क वुड, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह।

गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

एशियाई चैंपियनशिप में छाई भारत की बिंदयारानी देवी, 194 किलो उठाकर रजत पदक पर किया कब्जा

जिंजू (एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलक बिंदयारानी देवी ने शनिवार को यहां एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 55 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता बिंदयारानी ने कुल 194 किग्रा (83 किग्रा + 111 किग्रा) उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उनका 55 किग्रा भार वर्ग हालांकि ओलंपिक में शामिल नहीं है। बिंदयारानी ने स्नैच में पहले दो प्रयासों में 80 किग्रा और 83 किग्रा भार उठाया।

इसके बाद उन्होंने 85 किग्रा भार उठाने का प्रयास किया लेकिन उसमें वह असफल रही। इस भारतीय खिलाड़ी ने क्लीन एवं जर्क में इसकी भरपाई की तथा दूसरा सर्वाधिक भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। इस दौरान उन्होंने पहले प्रयास में 109 और दूसरे प्रयास में 111 किलोग्राम वजन उठाया। हालांकि उनके तीसरे प्रयास को मान्य नहीं माना गया। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने चयन ट्रायल से पहले चोटिल हो जाने के कारण वापस 55 किग्रा भार वर्ग में भाग लेने का फैसला किया।

उन्होंने इससे पहले 59 किग्रा में भाग लेना शुरू कर दिया था जो कि पेरिस ओलंपिक का हिस्सा है। बिंदयारानी ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में 59 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा लिया था जिसमें वह 25वें स्थान पर रही थी। बता दें कि इस चैंपियनशिप में चीन की चेन गुआन लिंग ने कुल 204 किलोग्राम वजन उठाकर संयुक्त भार के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। उन्होंने स्नैच में 90 किलो, क्लीन एंड जर्क में कुल 114 किलोग्राम वजन उठाया है। वहीं वियतनाम की क्विन न्हू ने कुल 192 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपनी झोली में डाला है।

मीराबाई चानू का ऐसा रहा प्रदर्शन

भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का कूल्हे में समस्या के कारण एशियाई चैंपियनशिप में अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और शुक्रवार को यहां स्नैच में जूझने तथा क्लीन एवं जर्क में अंतिम दो प्रयास नहीं करने के कारण वह छठे स्थान पर रहीं। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करते हुए स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 109 किग्रा के साथ कुल 194 किग्रा वजन ही उठा सकीं जो 207 किग्रा के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से 13 किग्रा कम है। स्नैच में मीराबाई का निजी स्वर्श्रेष्ठ प्रदर्शन 88 किग्रा जबकि क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा है। वह क्लीन एवं जर्क में एक प्रयास के बाद ही मुकाबले से हट गईं।

गुजरात प्लेऑफ की ओर बढ़ी, राजस्थान की हार से आरसीबी, मुम्बई और पंजाब को लाभ

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने वाली गुजरात टाइटंस की जीत से तीन अन्य टीमों को भी लाभ हुआ है। ऐसे में राजस्थान की हार से ये सभी टीमें खुश हैं। राजस्थान रॉयल्स के 5 जीत और इतनी ही हार के साथ 10 अंक हैं। राजस्थान का नेट रन रेट 0.448 है। राजस्थान की हार से तीन टीमें रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स उत्साहित होंगी क्योंकि इन सभी टीमों के एक बराबर 10 अंक हैं।

इस मैच में गुजरात ने 119 रन के लक्ष्य को 37 गेंद रहते ही 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ आईपीएल अंक तालिका में गुजरात के 10 मैच में 14 अंक हो गए हैं। इस मैच में जीत के साथ ही गुजरात ने इस सत्र का सातवां मुकाबला जीता। इस मैच में गुजरात का रन रेट भी बेहतर हाकर 0.752 पहुंच गया।

आईपीएल में सभी 10 टीमें 14 मुकाबले खेलेंगी। ऐसे में गुजरात के 4 मुकाबले और बचे हैं और इसमें अगर गुजरात 2 मैच भी जीतती है तो उसके 18 अंक हो जाएंगे और वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी. वहीं दूसरे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है। लखनऊ ने 10 में से 5 मैच जीते, 4 मैच वह हारी है जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण नहीं हो पाया। उसके खाते में कुल 11 अंक हैं। लखनऊ का प्लेऑफ का दावा काफी दमदार है क्योंकि चेन्नई सुपर किंग्स के भी 11 अंक हैं पर उसका नेट रन रेट 0.329 है जो सुपर जायंट्स 0.639 से काफी कम है, इसलिए अंक तालिका टेबल में लखनऊ दूसरे स्थान पर आ गयी है।

सनराइजर्स को हराकर प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बेहतर बनाने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम रविवार को यहां होने वाले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाओं को मजबूत करना भी रहेगा। पिछले दो मैचों में उसे करारी हार का सामना भी करना पड़ा था जिससे अब वह उबरना चाहेगी। उसके पास सकारात्मक पक्ष ये है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है। रॉयल्स की टीम को अगर ये मैच जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। विशेष रुप से रॉयल्स के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले के मैच में उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन

गुजरात टाइटंस के खिलाफ अच्छा नहीं रहा था और पूरी टीम 118 रन ही बना पायी थी।

मुंबई इंडियंस और गुजरात के हाथों हार के बाद भी रॉयल्स की टीम अभी भी अंकतालिक में शीर्ष चार में शामिल है। उसने अभी तक दस में से पांच मैच जीते हैं जबकि पांच मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए मैचों में जीत दर्ज करनी होगी।

रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के रूप में शानदार सलामी जोड़ी है पर इन दोनो के विफल रहने पर टीम लड़खड़ा जाती है। मध्यक्रम में उसके पास देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं पर ये आजकल फार्म में नहीं है। जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। जो टीम के लिए चिंता का विषय है।

टीम की गेंदबाज भी लय में नहीं हैं। ट्रेंट बोल्ट और एडम जंपा बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पा रहे। जीत के लिए बोल्ट और संदीप शर्मा को अच्छी शुरुआत करनी होगी। वहीं स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल को भी प्रभावी भूमिका निभानी होगी।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स ने अभी तक केवल तीन मैच जीते हैं और वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। उसको पिछले मैच में नाइट राइडर्स से पांच रन से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखना है तो उसे हर हाल में ये मैच जीतना होगा।

सनराइजर्स को अभी तक बल्लेबाजों में खराब प्रदर्शन का नुकसान उठाना पड़ा है। बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और मयंक अग्रवाल अच्छी शुरुआत देने में विफल रहे हैं। ऐसे में मध्यक्रम में जिससे राहुल त्रिपाठी, कप्तान एडेन मार्करम और हेनरिक क्लासेन पर दबाव बढ़ा है। हेरी ब्रूक से भी टीम को होगा। अब तक उसके गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान एवं विकेटकीपर), जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, आर अश्विन, जेसन होल्डर, ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा, युजवेंद्र चहल, नवदीप सैनी, एम अश्विन, के एम आसिफ, के सी करियप्पा, डोनोवन फरेरा, देवदत्त पडिक्कल, ओबेड मैककॉय, जो रूट, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा, अब्दुल बसिथ।

सनराइजर्स हैदराबाद: एडेन मार्करम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को जानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह।

आजम एकदिवसीय में सबसे तेज पांच हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कराची । पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का बल्ला आजकल जमकर चल रहा है। बाबर ने ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां चौथे एकदिवसीय में शतक लगाया। बाबर ने 117 गेंद में 107 रन रन बनाये। इसी के साथ ही पाक कप्तान ने एकदिवसीय में अपना 18वां शतक लगाया। इस मैच में शतकीय पारी के दौरान ही पाक कप्तान ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। उन्होंने इस मैच में 19वां रन बनाते ही एकदिवसीय में अपने 5000 रन पूरे कर लिए। अब वह एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 5 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ी बने हैं। बाबर ने 97 पारियां में ये रन बनाये। इससे पहले ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हाशिम अमला के नाम था। आमला ने 101 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम 114 पारियों में 5 हजार एकदिवसीय रन पूरी किये थे। इस प्रकार आजम ने काफी कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल किया है। एकदिवसीय में सबसे तेज 5 हजार रन पूरे करने वाले टॉप-5 खिलाड़ियों में विवियन रिचर्ड्स और डेविड वॉर्नर भी शामिल हैं। रिचर्ड्स ने विराट के बराबर 114 और वॉर्नर ने 115 पारियों में इतने रन बनाए हैं। इससे पहले, बाबर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ साल 2019 में नाबाद 101 रन बनाए थे। इस सीरीज में बाबर ने तीसरी बार 50 से अधिक रन बनाये।

पॉइंट टेबल में चेन्नई ने अपनी स्थिति को किया मजबूत, रोमांचक मुकाबले में मुंबई को 6 विकेट से हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के 49वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने शानदार वापसी करते हुए मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की टीम में 8 विकेट पर 139 रन बनाए थे। जीत के लिए चेन्नई के 140 रनों की आवश्यकता थी जिसे चेन्नई ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। धीमी पिच पर मुंबई के बल्लेबाज संघर्ष करते हैं तो वही चेन्नई के बल्लेबाजों ने भी सावधानी पूर्वक बल्लेबाजी की। चेन्नई की एक ठोस शुरुआत हुई थी और 46 के स्कोर पर पहला विकेट गिरा था जब ऋतुराज गायकवाड 16 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। अजिंक्य रहाणे ने 21 रन बनाए जबकि अंबाती रायडू ने 12 रनों की पारी खेली। शानदार फॉर्म में चल रहे डेवोन कॉनवे 44 रन की पारी खेलते हुए टीम के जीत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तो ही शिवम दुबे ने भी 25 रनों की पारी खेली। इस जीत के साथ ही चेन्नई के अब 13

अंक हो गए हैं और वह पॉइंट टेबल में गुजरात के बाद दूसरे नंबर पर है। कॉनवे के आउट होने के बाद महेंद्र सिंह धोनी मैदान में उतरे थे। पूरा स्टेडियम धोनी-धोनी के नारों से गूंज उठा। मुंबई की ओर से पीयूष चावला ने 4 ओवर में 25 रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, आकाश मधवाल ने भी एक सफलता हासिल की।

इससे पहले नेहाल वढेरा (51 गेंद में 64 रन) की इंडियन प्रीमियर लीग में पहली अर्धशतकीय पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने खराब शुरूआत से उबरते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ शनिवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 139 रन बनाये थे। वढेरा ने सूर्यकुमार यादव (22 गेंद में 26 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 55 और ट्रिस्टन स्टब्स (21 गेंद में 20 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। चेन्नई के लिए मथीश पथिराना ने चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि दीपक चाहर और तुषार देशपांडे को दो-दो सफलता मिली। रविंद्र जडेजा ने एक विकेट चटकाया। मुंबई इंडियंस के लिए इशान किशन (नौ गेंद में सात रन) के साथ कप्तान रोहित शर्मा (शून्य) की जगह कैमरुन ग्रीन (चार गेंद में छह रन) ने पारी का आगाज किया लेकिन टीम का यह फैसला कारगर नहीं रहा और एक रन के अंदर तीनों बल्लेबाज आउट हो गये। देशपांडे ने दूसरे ओवर में ग्रीन को बोल्ड किया तो वही अगले ओवर में चाहर ने इशान और रोहित को पवेलियन की राह दिखायी। रोहित इस लीग में रिकॉर्ड 16वीं बार खाता खोले बगैर आउट हुए। टीम के 14 रन तक तीन विकेट गंवाने के बाद नेहाल वढेरा और सूर्यकुमार यादव ने संभलकर बल्लेबाजी की। इस दौरान वढेरा ने चाहर और सूर्यकुमार ने देशपांडे के खिलाफ चौका जड़ा।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शुभमन ने विराट को पीछे छोड़ा

-शमी पर्पल कैप की सुची में शीर्ष पर पहुंचे

जयपुर । गुजरात टाइटंस टीम ने जहां आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स को 9 विकेट से हराकर तेजी से प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाये हैं। वहीं टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने भी इस मैच में अपनी 36 रन की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। विराट चौथे से पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। इस मैच में गुजरात के लेग स्पिनर राशिद खान ने तीन विकेट लेकर अपनी ही टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की बराबरी की है। शुभमन ने इस आईपीएल में अब तक 10 मैचों में 3 अर्धशतक लगाकर 375 रन बनाए हैं। इस प्रकार वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं विराट पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। इस सूची में आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी 9 मैचों में 466 रन बनाकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 10 मैचों में 442 रन के साथ ही दूसरे स्थान पर हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे 10 मैचों में 414 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजी की बात करें तो गुजरात के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और लेग स्पिनर राशिद खान के अब एक बराबर 18-18 विकेट हैं हालांकि बेहतर इकॉनोमी के कारण शमी पर्पल कैप की सूची में पहले नंबर पर आ गये हैं जबकि राशिद दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सीएसके के गेंदबाज तुषार देशपांडे का नंबर है। तुषार ने 10 मैचों में 17 विकेट लिए हैं जबकि पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम इतने ही मैचों में 16 और मुंबई इंडियंस के अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला के 9 मैचों में 15 विकेट हैं।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर कैथरीन ने संन्यास लिया

मैनचेस्टर । इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर कैथरीन साइवर-ब्रंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। अपनी ही टीम की साथी क्रिकेटर नेट साइवर ब्रंट से शादी कर सुर्खियों में आयी तेज गेंदबाज कैथरीन ने साल 2004 में इंग्लैंड की ओर से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। कैथरीन ने अपने करीब दो दशक के खेल सफर में कई अहम रिकार्ड बनाये हैं। इस महिला क्रिकेटर ने इंग्लैंड की ओर से 267 मैच खेले हैं। अपने 19 साल लंबे करियर में साइवर-ब्रंट

ने 141 एकदिवसीय, 112 टी20 अंतर्राष्ट्रीय और 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सभी प्रारुपों में कुल 335 विकेट लिए हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 170, टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 114 और टेस्ट क्रिकेट में कुल 51 विकेट लिए हैं। वह तीन बार इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम में शामिल रही हैं। कैथरीन एकदिवसीय क्रिकेट में 170 विकेट लेने के साथ ही इंग्लैंड की सबसे सफल गेंदबाज है। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वह 114 विकेट के साथ दुनिया की छठी सबसे सफल गेंदबाज हैं जबकि टेस्ट क्रिकेट में 51 विकेट लेकर विश्व की नौवीं सबसे सफल गेंदबाज हैं। कैथरीन ने अपनी टीम की ही महिला क्रिकेटर नेट साइवर ब्रंट से साल 2019 में सगाई की थी और इसके बाद उन्होंने 2020 में एक दूसरे से शादी की घोषणा कर दी थी हालांकि कोरोना महामारी के कारण दोनों से साल 2022 में शादी की। अपनी पार्टनर नेट साइवर ब्रंट से उन्होंने मई 2022 में शादी कर सभी का ध्यान खींचा था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अवसर पर कैथरीन काफी भावुक हो गई और इस दौरान उन्होंने कहा, ठीक है, मैं 19 साल बाद, अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा के अंत में हूं। मैंने सोचा था कि मैं कभी भी इस फैसले तक नहीं पहुंच पाऊंगी पर मैंने यह फैसला लिया है और यह मेरे जीवन का सबसे कठिन फैसला रहा है। मेरे पास कभी कोई सपना या आकांक्षा नहीं थी। मैंने जो किया है, मैं चाहती थी कि मेरा परिवार हमेशा मुझ पर गर्व करे और जो मैंने हासिल किया है, वह उससे कहीं आगे निकल गया है।

डायमंड लीग में गोल्ड मेडल हासिल करने के बाद नीरज चोपड़ा ने कहा- आगे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना लक्ष्य, पीएम मोदी ने भी दी बधाई

दोहा (एजेंसी)। भारत के लिए टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद नीरज चोपड़ा ने फिर से खास उपलब्धि अपने नाम की है। इस बार भारत के भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना खिताब हासिल किया है। पहले चरण में जीता हासिल करने के बाद नीरज चोपड़ा ने बयान भी साझा किया है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग की शुरुआत ही शानदार की है।

वहीं डायमंड लीग के खिताब को अपने पास ही रखने के उद्देश्य से नीरज चोपड़ा मैदान में उतरे है। पहले चरण में जीत हासिल करने के बाद उन्होंने कहा कि वह सत्र की आगामी प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन को नए मुकाम पर ले जाना चाहेंगे। पिछले साल डायमंड लीग फाइनल की ट्रॉफी हासिल करने वाले चोपड़ा ने शुक्रवार को सत्र के पहले चरण में कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी में 88.67 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल करके अपने अभियान की बेहतरीन शुरुआत की।

चोपड़ा ने कहा,'' यह जीत आसानी से नहीं मिली लेकिन मैं बहुत खुश हूं। यह वास्तव

में मेरे लिए बहुत अच्छी शुरुआत है। मैं इस सत्र में फिट रहना चाहूंगा और अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना चाहूंगा। मैं आगामी प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। मेरी योजना फिट बने रहने और पहले से बेहतर प्रदर्शन करने की है।'' चोपड़ा का लक्ष्य 90 मीटर की दूरी को पार करना है। विश्व एथलेटिक्स के अनुसार वह अब 27 जून को चेक गणराज्य में ऑस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। चोपड़ा पिछले कुछ समय से तुर्किए के अंताल्या में अभ्यास कर रहे थे।

इस भारतीय स्टार ने कहा,'' मुझे उम्मीद है कि आगामी प्रतियोगिताओं में मैं पहले स्थान पर रहकर अपनी निरंतरता बनाए रखूंगा।'' चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में पहले प्रयास में ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह उनका कुल मिलाकर चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ओलंपिक चैंपियन को इस दौरान दर्शकों का अपार समर्थन मिला क्योंकि काफी भारतीय दर्शक वहां पहुंचे थे।

चोपड़ा ने कहा,'' बहुत सारे दर्शक मेरा समर्थन करने के लिए आए थे और वे वास्तव में खुश थे। कई बार यह वास्तव में मुश्किल होता है क्योंकि हमारा देश बहुत बड़ा है और लोगों की आप से काफी उम्मीदें जुड़ी होते हैं। अब मेरे देश के और अधिक एथलीट डायमंड लीग और अन्य प्रतियोगिताओं में मुझसे जुड़ें।'' उन्होंने कहा,'' मैं भाग्यशाली हूं कि लोगों का मुझ पर विश्वास है। मैं वास्तव में अच्छा महसूस कर रहा हूं। दोहा चरण शानदार रहा जो कि प्रत्येक साल का पहला चरण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा को अपने सत्र के शुरू में ही डायमंड लीग का खिताब जीतने के लिए बधाई और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी। मोदी ने ट्वीट किया,'' वर्ष की पहली प्रतियोगिता और पहला स्थान। नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में88.67 मीटर भाला फेंककर चमक बिखेरी। उन्हें बधाई। भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं।'' पिछले साल सितंबर में स्विट्जरलैंड में डायमंड लीग फाइनल की ट्रॉफी जीतने वाले 25 वर्षीय ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन करके दोहा डायमंड लीग का खिताब जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की।

अनुराग ठाकुर ने बताया सच्चा चैंपियन

ओलंपिक के बाद दोहा में गोल्ड मेडल हासिल करने वाले केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी नीरज चोपड़ा की सराहना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि नीरज चोपड़ा जीत गए। 88.67 मीटर की तेज थ्रो के साथ वो दोहा डायमंड लीग में अपना वर्चस्व कायम कर गोल्ड मेडल के साथ लौट रहे है। वो एक सच्चे चैंपियन है जिन्होंने दोबारा देश को गौरवान्वित किया है। नीरज को शानदार जीत के लिए बधाई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

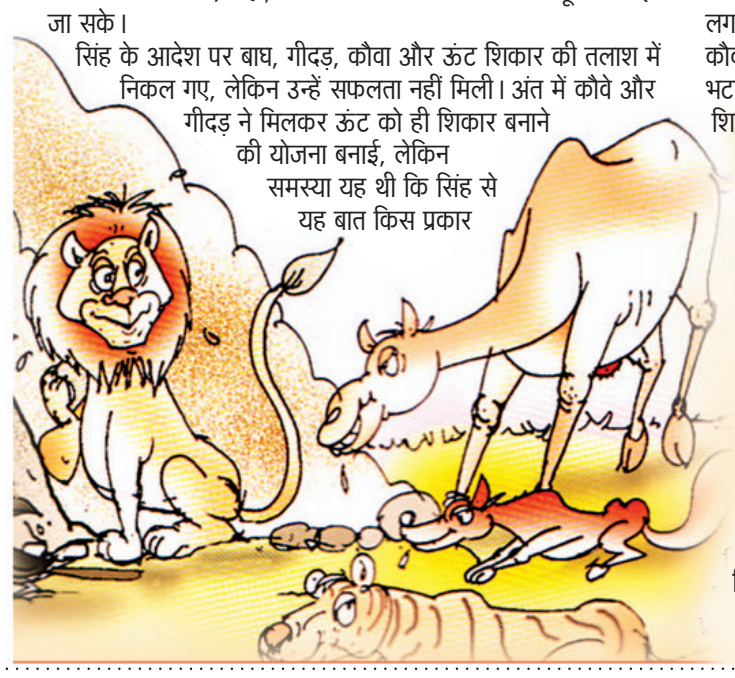

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

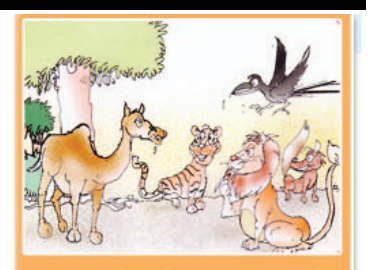

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

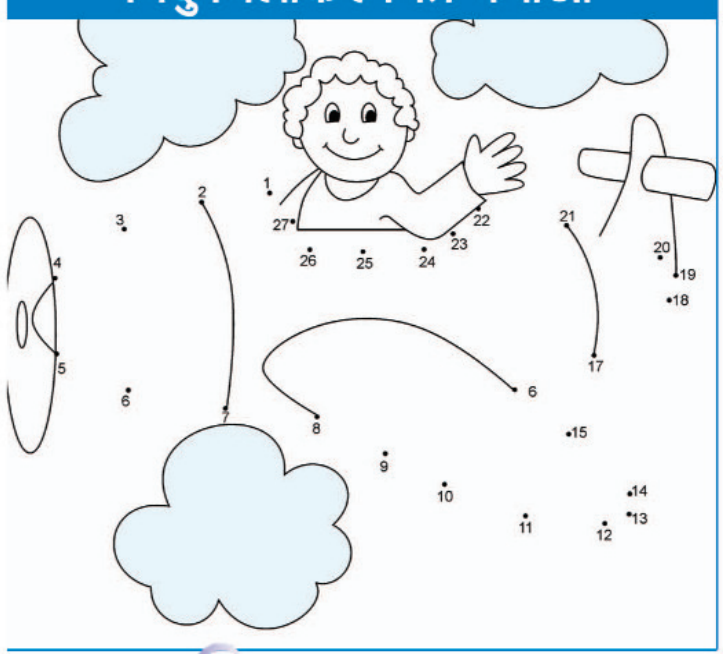

अंतर ढूंढो

कहानी क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुज्रे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में अप्रैल में 2.53 लाख लोगों को मिला रोजगार

-छंटनी की दर कम व नई भर्तियों की संख्या है अधिक

वाशिंगटन । अमेरिका के नियोक्ताओं ने फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ोत्तरियों के बीच अप्रैल महीने में कुल 2.53 लाख रोजगार मुहैया कराए। अमेरिकी श्रम विभाग ने शुक्रवार को जारी रोजगार आंकड़ों में बताया कि इस महीने में बेरोजगारी दर घटकर 3.4 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले 54 साल के सबसे निचले स्तर के बराबर है। श्रम विभाग ने कहा कि अप्रैल में भर्ती गतिविधियां ठोस रहीं, जबकि फरवरी और मार्च के महीनों में इससे सुस्ती देखी गई थी। अप्रैल में प्रति घंटे का मेहनताना जुलाई के बाद सबसे तेजी से बढ़ा। हालांकि यह आंकड़ा मुद्रास्फीति पर नजरें टिकाए बैठे फेडरल रिजर्व अधिकारियों की चिंता बढ़ा सकता है। दरअसल, वेतन बढ़ने पर मुद्रास्फीति बढ़ने की भी आशंका बढ़ जाती है। जानकारों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक की तरफ से ब्याज दर में वृद्धि जारी रखने के बावजूद रोजगार बाजार में मजबूती बनी हुई है। छंटनी की दर अब भी कम है जबकि नई भर्तियों की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर खालिस्तानियों ने मंदिरों में तोड़फोड़ की

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में फिर खालिस्तानियों ने मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया है। रोजहिल उपनगर के बाप्स स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने मंदिर पर हमला कर तोड़फोड़ की। साथ ही मंदिर के गेट पर खालिस्तान का झंडा लटका दिया। लोकल मीडिया ने बताया कि जब मंदिर प्रबंधन शुक्रवार को पूजा करने के लिए पहुंचा, तब देखा कि मंदिर की दीवार टूटी हुई है। वहीं गेट पर खालिस्तान का झंडा भी लटका हुआ है। प्रतिदिन मंदिर जाने वाले हैरिस पार्क के स्थानीय निवासी ने बताया कि जब वह सुबह पूजा के लिए पहुंचे, तब देखा कि मंदिर की सामने वाली दीवार पर तोड़फोड़ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 7 बजे स्थानीय पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि 24 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परमट्टा के लिए संसद सदस्य एंड्रयू चार्लटन घटना की सूचना पाते ही मंदिर पहुंचे। चार्लटन ने मंदिर के अधिकारियों के साथ दीवार को फिर से रंगने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं इस घटना से बहुत ही हैरान और दुखी हूं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

यूनिसेफ ने दी जानकारी : सूडान में हिंसा के कारण 10 लाख पालिया खुराक हुई नष्ट

खार्तूम । सूडान कई दिनों से हिंसा की आग में सुलग रहा है। अप्रैल से जारी हिंसा में कई लोगों की मौत और लूटपाट की घटनाएं देखी जा चुकी हैं। हिंसा के बाद फैली अराजकता ने बच्चों के लिए रखे पोलियो के 10 लाख से अधिक टीके नष्ट कर दिए हैं। बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ ने इसकी जानकारी दी। इसके पहले खबर आई थी कि लड़ाई में शामिल एक पक्ष ने देश की उस लैब पर कब्जा किया था जिसमें कई घातक बीमारियों के सैंपल रखे हुए थे। यूनिसेफ के आपातकालीन कार्यक्रम कार्यालय के उप निदेशक हेजल डे वेट ने बताया, दारफुर में 10 लाख से अधिक पोलियो वैक्सीन सहित कई कोल्ड चेन सुविधाओं को लूट लिया गया, क्षतिग्रस्त कर नष्ट कर दिया गया है। 2022 के अंत में प्रकोप के बाद एजेंसी सूडान में पोलियो टीकाकरण अभियान चला रही थी। पोलियो एक घातक बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को अपना शिकार बनाती है। यह विकलांगता और कई बार मृत्यु का कारण भी बन सकती है। अफ्रीका को 2020 में वाइल्ड पोलियो से मुक्त घोषित किया गया था। लेकिन मलावी, मोजाम्बिक और सूडान में पिछले साल से बाहर से आए मामले सामने आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डेटाबेस से पता चलता है कि सूडान में हेल्थ केयर से जुड़ी इमारतों पर 28 हमले हुए हैं। यह संघर्ष पिछले महीने शुरू हुआ था जिसमें सूडान की सेना और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्स एक-दूसरे के खिलाफ भीषण तरीके से जंग लड़ रहे हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम सहित कई एजेंसियों ने सूडान संकट के दौरान लूटपाट की सूचना दी है जिसमें 13 से 14 मिलियन डॉलर की सप्लाई के नुकसान की खबर है। पिछले महीने डब्ल्यूएचओ ने एक बड़े जैविक खतरे की चेतावनी दी थी क्योंकि कुछ लड़ाकों ने नेशनल पब्लिक हेल्थ लेब्रोटरी पर कब्जा कर लिया था।

कर्ज से दबे श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, मार्च में 2.69 अरब डॉलर पर पहुंचा

कोलंबो। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 2.69 अरब डॉलर हो गया। एक साल पहले इसी महीने में विदेशी मुद्रा भंडार पांच करोड़ डॉलर था। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका के शुक्रवार को जारी आंकड़ों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार के संकेत मिल रहे हैं। श्रीलंका वित्तीय संकट में है और उस पर कुल 83.6 अरब डॉलर कर्ज है, जिसमें से विदेशी कर्ज 42.6 अरब डॉलर जबकि घरेलू कर्ज 42 अरब डॉलर है। श्रीलंका ने अप्रैल 2022 में अपनी पहली ऋण चूक की घोषणा की थी। यह 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद उसका सबसे खराब आर्थिक संकट था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो गई थी और महंगाई तथा उत्पादों की कमी को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई थी। आंकड़ों के अनुसार श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले वर्ष मई के पांच करोड़ डॉलर से सुधरकर अब मार्च 2023 में 2.69 अरब डॉलर हो गया है।

नेपाल में हेलीकाप्टर हादसे में एक की मौत, चार घायल

काठमांडू । पूर्वी नेपाल में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि पायलट समेत चार लोग घायल हो गए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर, नेपाल की एक निजी हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता कंपनी का था। बयान के मुताबिक यह दुर्घटना संखुवासभा जिले में भोतेखोला नदी के पास हुई, जहां निर्माण सामग्री ले जा रहा हेलीकॉप्टर उतरने के दौरान एक पेड़ से टकरा गया। जिला प्रशासन ने कहा कि दुर्घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार सिमरिक एयर हेलीकॉप्टर के कर्मचारी भाविन गुरुंग की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर में कुल पांच लोग सवार थे। बयान में कहा गया ?कि हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे में सिमरिक एयर हेलीकॉप्टर के एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि पायलट समेत चार लोग घायल हुए। काठमांडू पोस्ट अखबार की खबर के मुताबिक हेलीकॉप्टर पर सवार घायल लोगों की पहचान पायलट सुरेंद्र पौडेल, चालक दल के सदस्य शेरिंग भोटे और मनोज थापा तथा नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कर्मचारी विक्रम शंकर के तौर पर हुई है। घटनास्थल पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर है और दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल कृष्ण प्रसाद भंडारी ने कहा कि बचाव अभियान में सेना के हेलीकॉप्टर के साथ जवानों को तैनात किया गया है। हेलीकॉप्टर अरुण पनबिजली परियोजना से संबंधित निर्माण सामग्री लेकर काठमांडू से संखुवासभा गया था, जहां परियोजना स्थल स्थित है।

जापान में हिली धरती, भूकंप के बाद आए 50 झटके, एक की मौत

टोक्यो । मध्य जापान में शुक्रवार दोपहर को जोरदार भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के पश्चिमी तट पर इशिकावा प्रांत में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी और कहा कि यह लगभग 12 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। भूकंप के बाद से अब तक 50 से अधिक झटके महसूस किए गए हैं, जिनमें से एक शुक्रवार की रात को आया 5.8 तीव्रता का भूकंप भी था। इशिकावा प्रांत में नोटो प्रायद्वीप के उत्तरी सिरे पर स्थित सुजु शहर में सबसे अधिक नुकसान की सूचना है। वहां सीढ़ी से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और प्रांत में 22 अन्य के घायल होने की सूचना है, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए तथा बाकी को मामूली चोट आई है। प्रांत के आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक करीब 100 निवासियों ने शुक्रवार रात आश्रय केंद्रों में शरण ली।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस बच्चों की सुरक्षा के लिए बने आयोग के सदस्यों के साथ नजर आये।

खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत पंजवड़ की पाकिस्तान में हत्या

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स के चीफ परमजीत सिंह पंजवड़ की लाहौर में हत्या कर दी गई है। परमजीत सिंह पंजवार उर्फ मलिक सरदार सिंह की शनिवार सुबह करीब छह बजे जौहर टाउन स्थित सनफ्लावर सोसायटी स्थित उसके घर के पास हत्या कर दी गयी। गोलीबारी में उनका गनमैन घायल हो गया। भारतीय पंजाब में ड्रोन के माध्यम से नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी में शामिल परमजीत का जन्म तरन तारन के पास पंजवार गांव में हुआ था। वह 1986 में अपने चचेरे भाई लाभ सिंह द्वारा कट्टरपंथी बनने के बाद केसीएफ में शामिल हो गए, इससे पहले वह सोहल में एक केंद्रीय सहकारी बैंक में काम कर रहे थे। भारतीय सुरक्षा बलों के हाथों लाभ सिंह के खात्मे के बाद 1990 के दशक में पंजवार ने केसीएफ की कमान संभाली और पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तान द्वारा शरण दिए जाने वाले सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की सूची में शीर्ष पर पंजवार ने सीमा पार हथियारों की तस्करी और हेरोइन की तस्करी के माध्यम से धन जुटाकर केसीएफ को जीवित रखा। पाकिस्तान सरकार द्वारा इनकार के बावजूद, पंजवार लाहौर में रहे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे जर्मनी चले गए।

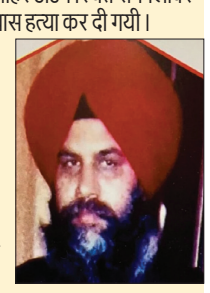

किंग चार्ल्स III राज्याभिषेक

सिर पर सज गया ताज, किंग चार्ल्स औपचारिक रूप से बन गए ब्रिटेन के नए महाराज

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के नए राजा के औपचारिक रूप से राजतिलक समारोह में सेवा कैंटरबरी के आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। किंग चार्ल्स ने इस दौरान कहा कि मैं सेवा कराने नहीं बल्कि सेवा करने आया हूं।अपने नए राजा के राजतिलक समारोह को भव्य और शानदार बनाने के लिए ब्रिटेन की सरकार करीब ढाई सौ मिलियन पाउंड से ज्यादा की रकम खर्च कया है। इस समारोह का गवाह बनने के लिए दुनिया के नामचीन लोगों को बुलाया गया। कोरोनेशन' शब्द लैटिन शब्द कोरोना से लिया गया है जिसका अर्थ 'ताज' होता है। ताजपोशी से पहले किंग चार्ल्स और उनके बड़े बेटे प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन बकिंघम पैलेस के नजदीक अपने करीबी लोगों और शुभचिंतकों से मुलाकात की।

सिंहासन पर विराजे सम्राट और लोगों ने झुककर प्रकट की निष्ठा

सम्राट को शाही गोला प्रस्तुत किया गया। ये धार्मिक और नैतिक अधिकारों का प्रतीक होता है। सम्राट को एक राजदंड भी दिया गया। जो उनकी शक्ति का प्रतीक होता है। फिर कैंटरबरी के आर्कबिशप ने सम्राट के सिर पर एडवर्ड का ताज रखा। इसके बाद सम्राट ताजपोशी की कुर्सी से उठकर सिंहासन पर बैठे और समकक्ष लोग उनके सामने झुककर कोर्निश बजाते हुए सम्राट के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की।

राजतिलक

किंग चार्ल्स तृतीय को राजतिलक के लिए सम्राट वाली कुर्सी पर बिठाया गया फिर कुर्सी के चारों तरफ सुनहरे कपड़े का घेरा बनाया गया। जिससे सम्राट लोगों को दिखाई न दे सकें। इस दौरान कैटरबरी के आर्कबिशप सम्राट के हाथों, सीने और सिर पर पवित्र तेल से अभिषेक किया।

किंग चार्ल्स ने ली शपथ

कैंटरबरी के आर्कबिशप ने ब्रिटेन में चर्च ऑफ इंग्लैंड को एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे जिसमें सभी धर्मों के लोग स्वतंत्र रूप से रह सकें कहकर ब्रिटेन में मनाए गए कई धर्मों को स्वीकार करते हैं। वह तब राज्याभिषेक की शपथ दिलाता है। राजा अपना हाथ होली गोस्पेल पर रख वादों को ÷निष्पादित करने और निभाने÷ का वचन देते हैं।

समारोह में पहुंचे किंग चार्ल्स

किंग चार्ल्स और उनकी पत्नी कैमिला वेस्टरमिंटर एबे में ऐतिहासिक राज्याभिषेक के लिए एक धार्मिक समारोह में पहुंचे जो लगभग एक हजार साल पुराना है। शाही जोड़े ने बकिंघम पैलेस से वेस्टमिंस्टर एबे तक की यात्रा 2.2 किलोमीटर की पूरी की है। जिसे 2012 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए कमीशन किया गया था।

बकिंघम पैलेस से निकले किंग चार्ल्स

किंग चार्ल्स ताजपोशी के लिए बकिंघम पैलेस से अपनी पत्नी कैमिला के साथ निकल चुके हैं। वेस्टमिंस्टर एबे में किंग चार्ल्स की ताजपोशी की जाएगी। ताजपोशी के इस कार्यक्रम का ब्रिटेन में विरोध भी हो रहा है। लोग इस पर इतना खर्च करने से नाराज हैं। लंदन पुलिस ने छह लोगों को शाही परिवार का विरोध करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

किंग चार्ल्स बनेंगे 15 देशों के सम्राट

बीते साल महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद ही किंग चार्ल्स को राजा घोषित कर दिया गया था। लेकिन आज औपचारिक रूप से उनकी ताजपोशी हो रही है। वहीं ताजपोशी के बाद किंग चार्ल्स ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत 15 देशों के राजा बन जाएंगे।

सुनक बोले- असाधारण राष्ट्रीय गौरव का क्षण

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने राज्याभिषेक को इतिहास, संस्कृति और परंपराओं की एक गौरवपूर्ण अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित किया। सुनक ने कहा कि ये असाधारण राष्ट्रीय गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के आधुनिक चरित्र का एक ज्वलंत प्रदर्शन और एक पोषित अनुष्ठान जिसके माध्यम से एक नए युग का जन्म हुआ है। लेकिन हर कोई समारोह के समर्थन में नहीं है। मतदान राजशाही के लिए समर्थन को कम करने का संकेत देता है, विशेष रूप से युवा लोगों के बीच, इसके आधुनिकीकरण या यहां तक कि पूरी तरह से खत्म करने की मांग के साथ। रिपब्लिक 'मेरे राजा नहीं' लिखी हुई तख्तियां पकड़े हुए नजर आए।

पीएम मोदी 14 जुलाई को पेरिस में बेस्टाइल डे परेड के होंगे विशिष्ट अतिथि

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 जुलाई को पेरिस में होने वाली बेस्टाइल डे परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी भी अपने फ्रांसीसी समकक्षों के साथ परेड में भाग लेगी। इसमें कहा गया है कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल बेस्टाइल डे परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। मैक्रों ने एक ट्वीट में कहा कि प्रिय नरेंद्र, 14 जुलाई की परेड के सम्मानित अतिथि के रूप में आपका पेरिस में स्वागत करके मुझे बहुत खुशी होगी। मैक्रों के ट्वीट पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजी और फ्रेंच में ट्वीट किया है कि धन्यवाद मित्र इमैनुएल मैक्रों। मैं आपके और फ्रांस के लोगों के साथ बेस्टाइल डे और हमारी रणनीतिक साझेदारी का उत्सव मनाने को लेकर उत्साहित हूं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से रणनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, अकादमिक और आर्थिक सहयोग सहित उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए नए और महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को निर्धारित करके भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के अगले स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है।

पाक सेना प्रमुख के परिवार से जुड़ी निजी जानकारी हासिल करने के मामले में आपराधिक कार्रवाई

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के परिवार की निजी जानकारी हासिल करने के आरोप में छह अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिकों के डेटा को संग्रहित करके राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट जारी करने का काम करने वाली शीर्ष राष्ट्रीय संस्था राष्ट्रीय डेटाबेल एवं पंजीकरण प्राधिकरण (नाडरा) ने जांच के बाद अपने कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

एक आधिकारिक सूत्र ने 'द डॉन' अखबार को बताया कि सेना प्रमुख के परिवार के सदस्यों की निजी जानकारी अवैध रूप से हासिल करने के मामले की चार अलग-अलग टीमों द्वारा जांच की गई, जिसके आधार पर नाडरा के छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। सूत्र के अनुसार, जिन लोगों के इशारे पर सेना प्रमुख के परिवार के सदस्यों के निजी डेटा में सेंध लगाई गई, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि नाडरा के अध्यक्ष तारिक मलिक ने आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ 23 दिसंबर 2022 और दो मार्च 2023 को जांच के आदेश दिए थे। पिछले साल दिसंबर में नाडरा और एक सुरक्षा एजेंसी द्वारा की गई संयुक्त जांच से पता चला कि बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम से जुड़ी एक परियोजना पर काम करने वाला कनिष्ठ कार्यकारी फारूक अहमद पहला व्यक्ति था, जिसने अवैध रूप से संबंधित डेटा तक पहुंच हासिल की थी।

रूस के अंदर से किया गया क्रेमलिन पर ड्रोन अटैक

- अमेरिकी ड्रोन विशेषज्ञों का बड़ा दावा

बीजिंग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका स्थित ड्रोन विशेषज्ञों ने क्रेमलिन के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुए ड्रोन को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका मानना है कि उन्हें रूस के अंदर से लॉन्च किया गया हो सकता है। रूस ने बुधवार को दावा किया कि यूक्रेन ने मास्को में क्रेमलिन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या के लिए ड्रोन से हमला किया था। हालांकि क्रेमलिन पर हमले में किसी भी भूमिका से इनकार करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के प्रेस सचिव ने कहा कि उन्हें क्रेमलिन पर तथाकथित रात के हमलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

एक चैनल पर जारी एक वीडियो मेंक्रेमलिन के ऊपर धुएं जैसा उठता दिखाई दिया है। यह वीडियो संभवतः क्रेमलिन के सामने नदी पार से बनाया गया है। वीडियो के साथ दी गई जानकारी के अनुसार पास के एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों ने स्थानीय समयानुसार देर रात लगभग ढाई बजे धमाकों की आवाज सुनने और धुआं देखने की सूचना दी। गैर-लाभकारी रेजिलिएंट नेविगेशन एंड टाइमिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष दाना गोवर्ड ने मीडिया को बताया कि मास्को कम से कम 2015 से क्रेमलिन को ड्रोन से बचाने के बारे में बहुत चिंतित है, जब उसने स्वचालित रूप से उन्हें दूर करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रत्युपायों का उपयोग करना शुरू किया।

ड्रोन निर्माता ब्रिंक के संस्थापक और सीईओ व ड्रोन विशेषज्ञ ब्लेक रेसनिकने इसे आश्चर्यजनक बताया कि ड्रोन बिना पता लगाए मास्को के माध्यम से उड़ान भरने में सक्षम हुआ। रेसनिक ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि यह ड्रोन पूरे मास्को से क्रेमलिन तक पहुंचने में सक्षम हो गया।

तोशाखाना मामले में अदालत 10 मई को इमरान खान के खिलाफ आरोप तय करेगी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद की एक अदालत ने कहा कि वह सरकारी तोहफों की बिक्री से मिली रकम को कथित तौर पर छिपाने के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ 10 मई को आरोप तय करेगी। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने विदेशी गणमान्य लोगों से मिले तोहफों की बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण पिछले साल खान के खिलाफ तोशाखाना मामला दायर किया था। वर्ष 1974 में स्थापित तोशाखाना, कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है। तोशाखाना में पाकिस्तानी शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को अन्य देशों की सरकारों, राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिले कीमती उपहारों को संग्रहीत किया जाता है। खान (70) ने मामले की विचारणीयता को चुनौती दी थी, लेकिन सत्र अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद इन याचिकाओं को खारिज कर दिया।

हम ले आए सूडान से नागरिक निकाल के, 17 उड़ानें, नौसेना के 5 जहाज और वापस लाए गए 3862 भारतीय, खत्म हुआ 'ऑपरेशन कावेरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संकटग्रस्त सूडान में फंसे अपने नागरिकों को बचाने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन कावेरी' को समाप्त कर दिया और भारतीय वायु सेना के परिवहन विमान ने 47 यात्रियों को घर लाने के लिए अपनी अंतिम उड़ान भरी। भारत ने हिंसा से प्रभावित सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए 24 अप्रैल को ऑपरेशन कावेरी शुरू किया गया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 5 मई को भारतीय वायुसेना के सी130 विमान के पहुंचने के साथ ऑपरेशन कावेरी के जरिए 3,862 लोगों को सूडान से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने 17 उड़ानें संचालित कीं और भारतीय नौसेना के जहाजों ने पोर्ट सूडान से सऊदी अरब में जेद्दा तक भारतीयों को स्थानांतरित करने के लिए पांच उड़ानें भरीं।

जयशंकर ने कहा कि सूडान की सीमा से लगे देशों के जरिए 86 भारतीयों को निकाला गया। उन्होंने कहा कि वाडी सैय्यदना से उड़ान जिसे बड़े जोखिम में अंजाम दिया गया था, वह भी मान्यता का पात्र है। उन्होंने सूडान से लाए गए भारतीयों की मेजबानी तथा निकासी प्रक्रिया में मदद के लिए सऊदी अरब का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने चाड, मिस्र, फ्रांस, दक्षिण सूडान, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र का भी आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता हमारी प्रेरणा है।

बता दें कि सूडान में सेना और एक अर्द्धसैनिक समूह के बीच सत्ता हासिल करने के लिए भीषण संघर्ष जारी है। वहीं, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि सूडान में सुरक्षा की वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत ने अपने दूतावास को खार्तूम से पोर्ट सूडान स्थानांतरित करने का फैसला किया है। ज्ञात हो कि पोर्ट सूडान पूर्वी सूडान में लाल सागर के पास स्थित शहर है। खार्तूम से पोर्ट सूडान की दूरी 850 किलोमीटर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के कई राज्यों में बढ़ेगा पारा,कही बारिश के असर

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार से देश के कई राज्यों में तापमान में इजाफा होगा। वहीं, कई राज्यों में बारिश होने की संभावना है। साइक्लोन मोचा के भी आज से सक्रिय होने की संभावना है। महीने के तीसरे सप्ताह में लू चलने की भी संभावना जाहिर की गई है। यूपी में फिर गर्मी का दौर शुरू होगा। तापमान में इजाफा होगा। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। पिछले दो सप्ताह में एक के बाद एक आने वाले पश्चिमी विक्षोभों के कारण अब तक मानसून पूर्व अवधि (एक मार्च से 31 मई तक) दिल्ली में 200 प्रतिशत से अधिक वर्षा हो चुकी है। आमतौर पर पूरी प्री-मानसून अवधि के दौरान यहां पर 48 मिमी वर्षा रिकार्ड की जाती है। आइएमडी के मुताबिक, देश में अब तक प्री-मानसून सत्र में 28 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। निजी मौसम एजेंसी के मुताबिक, पूर्वोत्तर भारत, सिक्किम,पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक , तेलंगाना और महाराष्ट्र में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा, राजस्थान में हल्की बारिश और आंधी चल सकती है। इंडियन इंस्टीटयूट आफ ट्रापिकल मीट्रियोलाजी पुणे के जलवायु विशेषज्ञ प्रो. राक्सी मैथ्यू कौल के मुताबिक, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हिंद महासागर में भी तापमान में इजाफा हो रहा है। यहां से चल रही गर्म हवा भारत और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगी।

फ्लाइट में महिला को बिच्छू ने काटा, एयरपोर्ट पहुंचने के बाद अस्पताल में भर्ती किया

नई दिल्ली । प्लेन में सांप, खटमल, चूहे यहां तक कि पक्षी भी दिखाई दिए हैं, लेकिन शायद यह पहली बार है, जब एक यात्री को बिच्छू ने काट लिया। मामला अपने देश का ही है। नागपुर-मुंबई फ्लाइट में जब प्लेन रास्ते में था, एक महिला को बिच्छू ने काट लिया। प्लेन के एयरपोर्ट पहुंचने के बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत ठीक हैं। कुछ देर बाद उन्हें घर जाने दिया गया और वह खतरे से बाहर हैं। घटना 23 अप्रैल 2023 की है। एयर इंडिया की नागपुर-मुंबई फ्लाइट आसमान में थी, जब मुंबई एयरपोर्ट को सूचना भेजी गई कि एक डॉक्टर के साथ तैयार रहे। संदेश में कहा गया था कि एक महिला यात्री को फौरन इलाज की जरूरत पड़ सकती है। इसके बाद महिला के प्लेन से बाहर निकलते ही मेडिकल टीम ने उनकी जांच शुरू कर दी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया और कुछ देर बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया है कि घटना के बाद हमारी टीम ने प्रोटोकॉल का पालन किया और एयरक्राफ्ट की गहराई से जांच की। एयर इंडिया ने बताया है कि कीड़ों को मारने वाली जब गैस छोड़ी गई तब बिच्छू पकड़ में आया। एआई ने यात्री को हुई परेशानी के लिए खेद जताया है। इससे पहले एक छोटी जीवित चिड़िया गल्फ-इंडिया फ्लाइट के कॉकपिट में पिछले साल जुलाई में दिखाई दी थी।

समुद्र से सटे ओडिशा, पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों में चक्रवाती तूफान का अलर्ट

-राजधानी दिल्ली में भी बारिश के आसार

नई दिल्ली (। मौसम का ट्रेंड ग्लोबल वार्मिंग के कारण लगातार बदल रहा है। अप्रैल और मई के महीने में भी लोगों को गर्मी से राहत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में ऐसी परिस्थिति कभी नहीं देखने को मिली है। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि आज से देश के कुछ हिस्सों में तापमान में वृद्धि हो सकती है, लेकिन साथ ही कुछ इलाके चक्रवाती तूफान की चपेट में भी आने वाले हैं। समुद्र से सटे ओडिशा और पश्चिम बंगाल के अलावा इसके आसपास के राज्यों के लोग भी इससे प्रभावित होंगे। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को 7 मई से 10 मई के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र विकसित होने की संभावना है। इसके कारण 7 मई के आसपास इसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है। 8 मई के आसपास बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व में चक्रवाती तूफान आने की संभावना है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 7 मई को अधिकतर स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 8 से 10 मई के दौरान भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इस दौरान आस-पास के क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। यह गति 70 को भी पार सकती है। 10 मई के बाद से हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार दिल्ली में बारिश हो सकती है, साथ ही आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली वालों को अभी गर्मी से राहत मिलती रहेगी। हालांकि, यह राहत कब तक जारी रहेगी, इसके बारे में अभी कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में तापमान 21 से 35 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

द केरल स्टोरी ने पहले दिन ही 7.5 करोड़ की कमाई की

-द केरल स्टोरी बनी 5वीं सबसे बड़ी ओपनर फिल्म

मुंबई । विवादित फिल्म द केरल स्टोरी इस शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। ट्रेलर सामने आने के बाद से शुरू हुए बवाल ने दर्शकों की रुचि फिल्म में और बढ़ा दी। द केरला स्टोरी ने पहले दिन अच्छी कमाई की और इसके साथ ही ये फिल्म इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्मों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गई है। पिछले साल रिलीज हुई द कश्मीर फाइल्स से अदा शर्मा की इस फिल्म की तुलना हो रही है, लेकिन पहले दिन की कमाई के मामले में इसने द कश्मीर फाइल्स को भी पीछे छोड़ दिया है। इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर राजनीति के अखाड़े तक जिस फिल्म की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वो है द केरला स्टोरी। फिल्म के कंटेंट के कारण ये जबरदस्त विवादों में घिर गई। इसकी रिलीज को रोकने का मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कुछ समुदाय विशेष का कहना है कि फिल्म उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत कर रही है और देश में इससे सम्प्रदाय तनाव बढ़ सकता है। द केरल स्टोरी ने पहले दिन 7.5 करोड़ से 8 करोड़ के बीच का बिजनेस किया है (ये आंकड़े शुरुआती हैं, इनमें फेरबदल संभव है) इसके साथ ही द केरल स्टोरी इस साल की पांचवीं बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। इससे ऊपर चौथे नंबर पर भोला है 11 करोड़ की कमाई के साथ। द केरला स्टोरी ने पहले दिन की कमाई के मामले में अक्षय कुमार की सेल्फी और कार्तिक आर्यन की शहजादा को भी पीछे छोड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार और रविवार को इसके जबरदस्त कमाई करने की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि फिल्म को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है। शुक्रवार को अपने कर्नाटक दौरे में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फिल्म द केरल स्टोरी का जिक्र किया है। दूसरी तरफ इसकी तुलना विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स से की जा रही है, जिसने पहले दिन सिर्फ 3.55 करोड़ का बिजनेस किया था। निर्देशन सुदीप्तो सेन की फिल्म तीन लड़कियों की कहानी है, जो धर्म परिवर्तन जैसे साजिश का शिकार बनती हैं।

गैंगस्टर ताजपुरिया हत्या मामले में 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली । तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के मामले में डीजी जेल ने एसिस्टेंट सुप्रीटेंडेंट समेत जेल के कुल 7 स्टाफ को सस्पेंड कर दिया है। डीजी तिहाड़ ने तीन असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट, 4 वार्डन को सस्पेंड किया गया है। इसके अलावा तीन वार्डन पर डिपार्टमेंटल इन्क्वारी शुरू करने के आदेश दिए हैं। डीजी तिहाड़ ने एसिस्टेंट सुप्रीटेंडेंट समेत जेल के कुल 7 स्टाफ को सस्पेंड करने के आदेश दे दिए हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर तिहाड़ जेल का एक ताजा सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर दिखाया गया है कि गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर सुरक्षाकर्मियों के सामने उस वक्त भी हमला किया गया था, जब वे उसे चार कैदियों द्वारा चाकू मारने के बाद ले जा रहे थे। ताजपुरिया पर कड़ी सुरक्षा वाली जेल के भीतर गोगी गिरोह के सदस्यों ने देसी हथियारों से हमला किया था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, वह तब भी जीवित था और जेल सुरक्षा कर्मियों द्वारा उसे ले जाया जा रहा था तभी आरोपियों ने दूसरी बार हमला किया। विलप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पुलिस जेल परिसर के अंदर सुरक्षा प्रदान करती है और वह अपने कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

भाजपा नेता रच रहे खड़गे व उनके परिवार के सदस्यों की हत्या की साजिश: रणदीप सुरजेवाला

-क्लिप जारी करके कांग्रेस ने मोदी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

बैंगलुरू (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपनी पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार को मारने के लिए भयावह साजिश रची जा रही है। बैंगलुरू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस ने एक ऑडियो क्लिप चलाया, जिसमें दावा किया गया कि चित्तपुर के भाजपा उम्मीदवार मणिकांत राठौड़ ने खड़गे के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की बात करते हुए सुना जा सकता है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा नेता अब मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या की साजिश रच रहे हैं। यह अब चित्तपुर से भाजपा के उम्मीदवार की रिकॉर्डिंग से स्पष्ट हो गया है, जो पीएम मोदी और मुख्यमंत्री बोम्मई का चहेता भी है।

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री खामोश रहेंगे और कर्नाटक पुलिस और भारत का चुनाव आयोग भी, लेकिन कर्नाटक के लोग चुप नहीं रहेंगे और मुंहतोड़ जवाब देंगे। पवन खेड़ा भी आज यहां कांग्रेस की ब्रीफिंग में मौजूद थे। कांग्रेस के एक बयान के अनुसार कन्नड़ियों के प्रति भाजपा की निर्लज्ज घृणा कर्नाटक के मिट्टी के पुत्र, खड़गे को मारने के लिए एक हत्या की साजिश में प्रकट हो रही है।

कांग्रेस के बयान के अनुसार निश्चित रूप से पीएम नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक पुलिस और चुनाव आयोग एआईसीसी अध्यक्ष और उनके परिवार को मारने की इस भयावह साजिश पर मूक रहेंगे। कांग्रेस के बयान के अनुसार इस नापाक और भयावह हत्या की साजिश का 6.5 करोड़ कन्नड़ियों द्वारा एकमात्र करारा जवाब होगा कि आगामी राज्य चुनावों में भाजपा की इस जानलेवा विचार प्रक्रिया को खत्म करना है।

देश और समाज में नफरत फैलाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए : अखिलेश

लखनऊ । कर्नाटक में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस के चुनावी घोषणा के बीच शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश और समाज में नफरत फैलाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, एक समय था जब सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी प्रतिबंध लगाया था। यहां सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा है ?कि भाजपा राज में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है, विकास रुक गया है। उन्होंने कहा ?कि देश और समाज में नफरत फैलाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, एक समय था जब सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाया था। गौरतलब है कि कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वह जाति और धर्म के आधार पर नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और समूहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी ने बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का नाम लेते हुए कहा कि उसके सत्ता में आने पर ऐसे संगठनों पर कानून के अनुसार निर्णायक कार्रवाई सहित प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

- कर्नाटक विधानसभा चुनाव

ओपिनियम पोल बता रहे कांग्रेस का पलड़ा भारी, हालिया सर्वे ने भाजपा को जिताया

-कर्नाटक में दोनों दलों की सीएम पद पर दावेदारी, जीडीएस भी बन सकती है किंगमेकर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में ज्यादातर ओपिनियन पोल कांग्रेस का पलड़ा भारी बता रहे हैं, जबकि हालिया सर्वे में भाजपा को सीटों में बढ़त मिलती दिखाई है। हालांकि कुछ लोग जीडीएस को भी दोनों के बीच रोड़ा बना रहे हैं। यहां प्रचार अभियान अपने आखिरी चरण में है। तमाम राजनीतिक दलों ने कर्नाटक में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। यहां राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। लेकिन जीडीएस को भी कम नहीं आंका जाना चाहिए और वह किंगमेकर की भूमिका में आ सकती है। इसको लेकर लगातार ओपिनियन पोल आ रहे हैं। ज्यादातर ओपिनियन पोल में कांग्रेस को बढ़त दिखाई दे रही है। तो वहीं हाल ही में हुए एक सर्वे में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती दिख रही है। फिलहाल कर्नाटक में चुनावी वादों का भरमार है। सभी दल अपने अपने स्तर पर इन लोगों को साधने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

वर्तमान में कर्नाटक में देखें तो राजनीतिक वार-पलटवार का दौर जबरदस्त तरीके से जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब भाजपा के प्रचार की कमान खुद संभाल ली है। वह लगातार कर्नाटक का दौरा कर रहे हैं। जनसभाओं में कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साध रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पीएफआई, आरक्षण, बजरंग दल फिलहाल बड़े मुद्दे बन चुके हैं। देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में जब 10 मई को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे तो जनता किसके पक्ष में जाती है। गौरतलब है कि 13 मई को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आएंगे। एक ताजा ओपिनियन पोल की मानें तो कर्नाटक में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है। भाजपा और जेडीएस को नुकसान हो सकता है। पोल के मुताबिक 224 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 107 से 119 सीटें मिल सकती हैं। भाजपा के खाते में 74 से 86 सीटें मिलने की संभावना है जबकि जेडीएस के पास 23 से 35 सीटें जा सकती है। वोट शेयर के मामले में भी भाजपा को नुकसान होता दिख रहा है। कांग्रेस के पास वोट शेयर 40 फीसदी तक जा सकती है जबकि भाजपा के पास 35 फ़ीसदी रहने की संभावना है। जेडीएस को 17 फ़ीसदी वोट मिल सकते हैं। हालिया सर्वे के मुताबिक भी कर्नाटक में भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है। 2018 की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को 24 सीटें कम मिलेंगी। पार्टी को 74 से 86 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

ओपिनियन पोल में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भी लोगों से राय मांगी गयी। ताजा सर्वे के मुताबिक सिद्धारमैया अभी भी मुख्यमंत्री पद की रेस में लोगों की पसंद बने हुए है। 42 फीसदी लोगों ने बताया कि वे मुख्यमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं। वहीं भाजपा के बसवराज बोम्मई को 31 फ़ीसदी लोग मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। एक अन्य सर्वे में 40 फ़ीसदी लोगों ने सिद्धारमैया को सीएम कैंडिडेट के तौर पर पसंद किया है। वहीं, बसवराज बोम्मई को सिर्फ 42 फ़ीसदी लोग ही सीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। इसी तरह एचडी कुमारस्वामी को 15 फ़ीसदी, डीके शिवकुमार को चार और बीएस येद्दयुरप्पा को पांच फ़ीसदी लोग सीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। मुख्य चुनावी मुद्दों की बात करें तो 67 फ़ीसदी लोगों का मानना है कि महंगाई ज्यादा हुई है। गरीबी को लेकर भी लोगों ने चिंता जाहिर की है। 51फीसदी लोगों ने दावा किया है कि भाजपा के सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा है।

नीतीश कुमार ने दिया हर सीट पर साझा उम्मीदवार उतारने का फॉर्मूला

-ममता बनर्जी ने भी दिया भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का मंत्र

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता की वकालत कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने देश के कई विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक भी की है। हाल ही में उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी से भी चर्चा की थी। सूत्रों का कहना है कि विपक्षी दलों के नेताओं के साथ हुई बैठक में नीतीश कुमार ने हर सीट पर साझा उम्मीदवार उतारने का फॉर्मूला दिया है। इस बीच ममता बनर्जी ने भी यही बात कही है।

ममता बनर्जी ने कहा है कि विपक्षी दलों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में सभी 543 सीटों पर साझा उम्मीदवार उतारकर एकजुट होकर भाजपा से लड़ना चाहिए। ममता ने कहा कि प्रत्येक पार्टी को अपने-अपने गढ़ में लड़ना चाहिए, जहां उसे सभी विपक्षी दलों का भी समर्थन मिले।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में गोवा, गुजरात, हिमाचल और कुछ अन्य राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। यहां कांग्रेस भाजपा के साथ आमने-सामने की लड़ाई लड़ रही थी। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शमशेरगंज में कहा कि मैं सभी विपक्षी दलों से लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह करूंगी। हमें बीजेपी को हराने के लिए एक-दूसरे से लड़ने की जरूरत है। उन क्षेत्रों से लड़ें, जहां आपका मजबूत आधार है।

केंद्रीय जांच एजेंसियां यह साबित करने में जुटी हैं कि मैं चोर हूं : केजरीवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां ''किसी भी तरह'' से यह साबित करने की कोशिश कर रही हैं कि वह ''चोर'' हैं। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि अगर उनके खिलाफ एक पैसे का भी भ्रष्टाचार मिल जाए तो वह (प्रधानमंत्री) उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका दें। आबकारी नीति मामले में सीबीआई ने केजरीवाल से 16 अप्रैल को पूछताछ की थी, जिसमें दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहले ही जेल में हैं। एजेंसी ने केजरीवाल को गवाह के तौर पर तलब किया था।

आम आदमी पार्टी (आप) नेता केजरीवाल ने कहा, ''उन्होंने सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग और पुलिस को मेरे पीछे लगा दिया। क्यों? मकसद सिर्फ एक है कि किसी भी तरह से ये साबित करना है कि

केजरीवाल 'चोर' है और वह भ्रष्टाचार में लिप्त है।'' केजरीवाल यहां एक कार्यक्रम में पंजाब के लोगों को 80 'आम आदमी क्लिनिक' समर्पित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। मोदी सरकार पर हमला करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''मैं मोदी जी को बताना चाहता हूं। प्रधानमंत्री जी, अगर केजरीवाल भ्रष्ट है तो दुनिया में कोई ईमानदार नहीं है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जिस दिन आपको केजरीवाल के खिलाफ एक पैसे का भ्रष्टाचार मिल जाए, तो मुझे सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका देना।'' उन्होंने कहा, ''... लेकिन ये रोज-रोज की नौटंकी और तमाशा बंद कीजिये।

आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन में 5 जवानों के शहीद होने के बाद राजौरी पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हालात का लेंगे जायजा

जम्मू (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू पहुंचे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने उनका स्वागत किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राजौरी के लिए रवाना होंगे, जहां कल आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान विस्फोट में 5 जवानों की जान चली गई थी। कल सेना के पांच जवानों के शहीद होने के बाद चल रहे अभियानों की समीक्षा करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे जम्मू-कश्मीर के राजौरी पहुंचे। रक्षा मंत्री के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी हैं।

उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी वर्तमान में ग्राउंड जीरो में मौजूद हैं क्योंकि सुरक्षा बल राजौरी के कांडी में आतंकवादियों के साथ गोलीबारी कर रहे हैं। उन्हें ग्राउंड कमांडरों द्वारा ऑपरेशन के सभी पहलुओं की जानकारी दी गई।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शुक्रवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान हुए विस्फोट में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। पुंछ आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए एक संयुक्त अभियान चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में 20 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों

ने सेना के वाहन पर उस समय गोलीबारी की, जब वह भीमबेर गली से पुंछ जिले के सांगियोत की ओर जा रहा था।

मुख्यालय उत्तरी कमान ने पिछले महीने एक बयान में कहा था आज, लगभग 1500 घंटे में, राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ के बीच चल रहे सेना के एक वाहन पर अज्ञात आतंकवादियों ने क्षेत्र में भारी बारिश और कम दृश्यता का फायदा उठाते हुए गोलीबारी की। संभावित उपयोग के कारण वाहन में आग लग गई। इस घटना में जान गंवाने वाले सेना के जवान राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट से थे और इलाके में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशंस के लिए तैनात किए गए थे।

पुंछ में पिछले महीने हुए एक आतंकी हमले में स्टिकी बम और स्टील की गोलियों का इस्तेमाल किया गया था जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे।

कश्मीर में जी-20 सम्मेलन को विफल करने आतंकी संगठन रच रहे षड्यंत्र

-कश्मीर में 26/11 जैसे हमले दोहराने की सरजिश

-पाक में बैठे आकाओं के इशारे पर काम कर रहे आतंकी

कनकगिरि। (एजेंसी)। श्रीनगर (ईएमएस)। कश्मीर में जी-20 सम्मेलन को विफल बनाने के लिए आतंकी संगठन मुंबई के 26/11 हमले जैसा षड्यंत्र रच रहे हैं। खुफिया एजेंसी के सहयोग से जम्मू कश्मीर पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के ओवरग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने आतंकी संगठनों के मंसूबे सामने लाए हैं। उसने बताया कि जी-20 सम्मेलन के दौरान आतंकी दो से तीन जगहों पर एक साथ हमले की तैयारी में हैं।

आतंकियों का मकसद विदेशी मेहमानों को नुकसान पहुंचाने के अलावा होटल या सभागार में घुसकर लोगों को ठीक उसी तरह निशाना और बंधक बनाना है, जिस तरह 26 नवंबर 2011 को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने मुंबई में किया था। पकड़ा गया ओवरग्राउंड वर्कर फारूक अहमद वानी बारामुला जिले के वागुब हैगाम का रहने वाला है। इसे 10 दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक ग्रेनेड व अन्य सामान मिला है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की अधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह इंटरनेट मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के लगातार संपर्क में था। वह श्रीनगर से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पर बने पंचतारा होटल में वाहन चालक है।

जी-20 सम्मेलन में आने वाले देश-विदेश के मेहमानों का इस पर्यटनस्थल पर भी सैर का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कुछ मेहमानों को उसी होटल में ठहराने की तैयारी थी, जहां फारूक काम करता था। यह जगह उत्तर कश्मीर में एलओसी से कुछ ही दूरी पर है। अगस्त 2015 में श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर आत्मघाती हमला करने वाला आतंकी नवीद व उसके साथी दुजाना ने इसी रास्ते से कश्मीर में घुसपैठ की थी।

केंद्रीय खुफिया एजेंसी जम्मू कश्मीर पुलिस के सीआईडी विंग व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी हालात की समीक्षा कर जी-20 सम्मेलन को शांत और सुरक्षित माहौल में कराने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। फारूक से मिले सुरागों के आधार पर ही मार्कोस और एनएसजी के कमांडो श्रीनगर व गुलमर्ग में तैनात किए जाने का फैसला लिया गया है। कुछ खास होटल जहां विदेशी मेहमान ठहराए जाएंगे, उसमें सेना के पैरा कमांडो तैनात किए जाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक सम्मेलन के दौरान फारूक आत्मघाती आतंकियों के एक दस्ते को श्रीनगर से बाहर एक पर्यटनस्थल पर (जहां विदेशी मेहमानों के जाने का कार्यक्रम है) सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराने वाला था। जिस होटल में वह वाहन चालक है, वहां भी कुछ आतंकियों को वह पहुंचाने वाला था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां श्रीनगर, गुलमर्ग व कुछ अन्य जगहों पर सभी प्रमुख होटलों के कर्मचारियों की पृष्ठभूमि जांच रही है। इसके साथ ही विदेशी मेहमानों को श्रीनगर और श्रीनगर से बाहर घुमाने के कार्यक्रम बदल दिया गया। सम्मेलन के दौरान कश्मीर में आईईडी युक्त वाहन और स्टिकी बम के खतरे से निपटने व ड्रोन हमले की आशंका को समाप्त करने की रणनीति पर

विशेष तौर पर काम किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि फारूक के मोबाइल फोन की जांच में पता चला है कि उसने न सिर्फ होटल का पूरा ब्योरा बल्कि होटल के आसपास के कुछ खास इलाकों, रास्तों और होटल से कुछ ही दूरी पर स्थित सैन्य प्रतिष्ठान की तस्वीरें सीमा पार भेजी हैं। उसने श्रीनगर के कुछ होटलों और रास्तों का भी ब्यौरा हैंडलरों को दिया है। वह आईएसआई के कुछ अधिकारियों और जैश के कमांडरों से सीधे संपर्क में था। बताया जाता है कि उसका पिता आईएसआई के खास मुखबिरों में गिना जाता रहा है। श्रीनगर में जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत हो रहे विकास कार्यों की प्रगति जानने के लिए उपायुक्त मोहम्मद एजाज असद ने शुक्रवार शाम को शहर के विभिन्न भागों का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उनके साथ श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त अतहर आमिर खान भी थे। उपायुक्त ने जीरो ब्रिज राजबाग, लाल मंडी, एलडी हास्पिटल रोड, गोगजीबाग, रामबाग, बजुल्ला, बघाट, पर्रेपोरा, हैदरपोरा, पेरबाग, हमहामा और एयरपोर्ट जंक्शन के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्यों का जायजा लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

डीयू के पीजी मेन्स हॉस्टल पहुंचकर राहुल ने छात्रों से की बात

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजी मेन्स हॉस्टल पहुंचकर छात्रों से बातचीत की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इससे पहले मुखर्जी नगर इलाके का भी दौरा कर

चुके हैं। यहां संघ लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों से संवाद किया था। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों राहुल गांधी ने पुरानी दिल्ली के जामा मस्जिद और बंगाली बाजार का दौरा कर लोगों से संवाद किया था और वहां के प्रसिद्ध व्यंजनों का लुफ्त उठाया था।

मुख्तार अंसारी के बेटे ने निशानेबाजी प्रतियोगिताओं के बहाने मंगवाए विदेशी हथियार

नई दिल्ली। माफिया डॉन से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने अपने शस्त्र लाइसेंस पर अपने स्थायी पते के रूप में दिल्ली स्थित किराए के आवास को दिखाकर जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की। वह कथित रूप से आतंक फैलाने के लिए विदेशी हथियार खरीदता था। सूत्र ने कहा कि अब्बास ने अपने अपराध सिंडिकेट का विस्तार करने के लिए तीन साल पहले अपने हथियार लाइसेंस को दिल्ली में एक पते पर स्थानांतरित कर दिया था। वह भी कभी-कभी इसी पते पर रहता था। सूत्र ने कहा कि उन्होंने यह जानकारी एजेंसी और फेडरेशन से छिपाई।

लेकिन, जांच के दौरान यूपी एसटीएफ दिल्ली के पते पर पहुंच गई। इधर जमीन मालिक ने पुलिस को बताया कि अब्बास दो-तीन बार उस जगह पर आ चुका है और वह उसका किराए का मकान है। सूत्र ने कहा कि वह यह दिखाने के लिए किराए पर मकान लेकर जांच अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था कि वह किराए के मकान में रह रहा है।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अब्बास मुख्तार अंसारी के अंतरराष्ट्रीय संपर्क का इस्तेमाल कर निशानेबाजी प्रतियोगिता के नाम पर सिल्वेनिया से अत्याधुनिक हथियार खरीदता था। हालांकि इन हथियारों का इस्तेमाल किसी प्रतियोगिता में नहीं अवैध गतिविधियों में किया गया था और यह शूटिंग फेडरेशन के नियम के खिलाफ था।

सूत्र ने कहा, सिल्वेनिया से हथियार खरीदने का मुख्य मकसद आतंक फैलाना था। इससे पहले हमने आठ आयातित हथियार और 4,500 जिंदा कारतूस जब्त किए थे। नतीजतन हमने उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने इस सिलसिले में कई हथियार तस्करों से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। उनका बयान अब्बास को और मुश्किल में डाल सकता है। यूपी एसटीएफ भी इस सिलसिले में अब्बास के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की ओर अग्रसर है।

भाजपा ने केजरीवाल के खिलाफ लॉन्च किया झूठा कहीं का कैम्पेन- जारी की 27 मिनट की वीडियो फिल्म

नई दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अपना 'झूठा कहीं का' कैम्पेन शनिवार से शुरू कर दिया है। भाजपा ने इस अभियान के लिए शनिवार को 27 मिनट की एक वीडियो फिल्म भी जारी की जिसमें केजरीवाल के बयानों और उनसे जुड़ी मीडिया खबरों के जरिए यह साबित करने का प्रयास

किया गया है कि केजरीवाल के झूठों एवं यू टर्नों से दिल्ली की जनता स्तब्ध है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रभारी बैजयंत पांडा और भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने केजरीवाल के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान को शुरू करते हुए शनिवार को 14 वीडियो वैन को भी लॉन्च किया। ये सभी वीडियो वैन केजरीवाल पर भाजपा द्वारा बनाए गए 27 मिनट के इस वीडियो फिल्म को पूरी दिल्ली में दिखाएंगे। बताया जा रहा है कि ये वीडियो वैन दिल्ली में प्रतिदिन दस अलग-अलग जगहों पर शो करेंगे जिसमें दिल्ली की जनता को केजरीवाल पर बनाए गए इस वीडियो को दिखाया जाएगा। भाजपा की योजना 4 सप्ताह के इस कैम्पेन के दौरान दिल्ली में इस वीडियो के लगभग 4200 शो आयोजित करने की है।

'झूठा कहीं का' अभियान चलाकर केजरीवाल का सच सामने लाएगी भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली की जनता बीते आठ साल से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के झूठ एवं राजनीतिक यू टर्न देख देखकर स्तब्ध है। अब केजरीवाल ने जिस तरह बिना किसी सार्वजनिक घोषणा किए, बिना कोई टेंडर किए अपने लिए एक राजमहल जैसा बंगला बनाया है, उससे सारे देश के लोगों के साथ ही मीडिया भी आश्चर्यचकित है। सचदेवा ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल के झूठों व यू टर्न से स्तब्ध होकर दिल्ली की जनता अब मुखर होकर विरोध करना चाहती है। जनता के विरोध को एक स्वर देने के लिए दिल्ली भाजपा कल से दिल्ली में

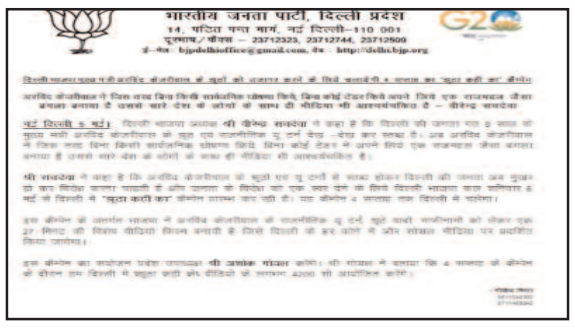
भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
14, पंडित पन्त मार्ग, नई दिल्ली--110 001
दूरभाष/फैक्स -- 23712323, 23712744, 23712600
ई-मेल bjpdelhioffice@gmail.com, वेब http://delhibjp.org

'झूठा कहीं का' अभियान शुरू कर रही है। यह अभियान 4 सप्ताह तक दिल्ली में चलेगा। इसके अंतर्गत भाजपा अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक यू टर्न, झूठे वादों, माफीनामों को लेकर एक 27 मिनट की विशेष वीडियो फिल्म चलायेगी, जिसे दिल्ली के हर कोने में और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित किया जायेगा। '

झूठा कहीं का' अभियान का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल को बनाया गया है। चार सप्ताह के अभियान के दौरान दिल्ली में 'झूठा कहीं के' वीडियो के लगभग 4200 शो आयोजित किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली भाजपा के द्वारा अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर बीते कई दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। आज उस धरना प्रदर्शन का पांचवां दिन है।

भाजपा अध्यक्ष के बयान पर केजरीवाल का हमला, बोले- ये बेहद घटिया और हर भारतीय को अपमानित करने वाला

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कर्नाटक में दिए एक बयान को बेहद घटिया और भारत को अपमानित करने वाला बताया है।

जेपी नड्डा कर्नाटक के कोप्पल में चुनावी रैली के दौरान जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहां उन्होंने कहा '9 साल पहले घुटने टेक कर चलने वाला भारत था, जब मोदी जी को आपने प्रधानमंत्री बनाया है, अब दुनिया में सिक्का जमाने वाला भारत बन गया है।'

इस पर आज केजरीवाल ने ट्वीट किया कि, 'भाजपा अध्यक्ष का ये बयान बेहद ही घटिया और हर भारतीय को अपमानित करने वाला है। मेरा भारत देश महान था, महान है और हमेशा महान रहेगा।'

पीसीआर ने तीन गुम बच्चों को परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पीसीआर यूनिट ने कोतवाली इलाके में तीन गुम हुए बच्चों को खोजकर परिवार से मिलवाया है। यह बच्चे खेलते-खेलते घर से दूर चले गए थे। पुलिस टीम ने गली-गली घूमकर उनके परिवार को खोजा और सभी बच्चों को उनके सुपुर्द किया। इन बच्चों की उम्र 3, 5 और 8 साल है। यह घर से एक साथ निकलकर भटकते भटकते शांतिवन चौक के पास पहुंच गए थे।

डीसीपी पीसीआर आनन्द मिश्रा ने बताया की इसमें पीसीआर को कोई कॉल नहीं मिली थी। बल्कि जब शांति वन ट्रैफिक सिग्नल के पास सहायक सब इंस्पेक्टर और कांस्टेबल रूपाराम मेघवाल ड्यूटी पर थे। तभी उनकी नजर इन तीन छोटे-छोटे बच्चों पर पड़ी, जो घबराए हुए थे और इधर-उधर देख रहे थे। पीसीआर की टीम ने ट्रैफिक के बीच जा रहे बच्चों को रोका और सड़क किनारे किया। उन्होंने अपना सिर्फ नाम बताया, इनकी उम्र 8 साल 5 साल और 3 साल थी। लेकिन यह अपने परिवार के बारे में जानकारी नहीं दे पा रहे थे। पीसीआर ने गाड़ी में बिठाकर परिवार को ढूंढना शुरू

किया और आसपास जानकारी फैलाने के लिए अनाउंसमेंट की।

जब पीसीआर की गाड़ी गली में घूम रही थी तो उसी दौरान जो 8 साल की बच्ची थी उसने इशारा किया कि इस गली में स्कूल के साथ रहती है।

पुलिस टीम उस स्कूल पर पहुंची तो उन्होंने तीनों बच्चे में से किसी को भी वहां पढ़ने से इनकार किया। लेकिन कहा कि साथ में दूसरे स्कूल में शायद पढ़ती होगी। पुलिस टीम वहां पहुंची तो वहां रहने वाले लोगों को जब बच्चे को दिखाया तो उन्होंने इनमें से एक कि पहचान कर ली। उसके बाद फिर वह लोग उनके परिवार को बुला कर लाए और जांच के बाद तीनों बच्चों को कोतवाली पुलिस की उपस्थिति में उनके परिवार वालों को सुपुर्द कर दिया। इनमें पांच साल का लव-कुश और 8 साल की पूजा सगे भाई बहन थे। इन दोनों को इनके मां बाप के हवाले कर दिया और चार साल की बच्ची सना को उसके पिता के हवाले कर दिया।

नोएडा में शादी समारोह से वापस लौट रहे एक ही परिवार के 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत

नोएडा। आगरा से एक शादी समारोह में सम्मिलित होकर वापस दिल्ली आ रहे एक परिवार के पांच सदस्य ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जहां एक बच्चा, दो महिलाएं तथा एक पुरूष की मौत हो गई।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर आज सुबह हुए एक सड़क हादसे में आगरा से दिल्ली जा रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी सेक्टर-160 के पास अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर और फिर पेड़ से जा टकराई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को नोएडा के विभिन्न अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चार लोगों की मौत हो गई है।

एक्सीडेंट के बाद स्विफ्ट डिजायर गाड़ी की दशा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कार की रफ्तार कितनी तेज रही होगी। पेड़ से टकराने के बाद कार के परखच्चे

उड़ गए।

नॉलेज पार्क प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दिल्ली निवासी कार्तिक गुप्ता अपनी पत्नी शिवानी, साली शीतल शर्मा और सुमन गुप्ता तथा कार्तिक के 3 माह के बेटे के साथ आगरा में एक शादी समारोह में भाग लेने के बाद दिल्ली वापस लौट रहे थे। सुबह करीब 5 बजे सेक्टर-160 के पास तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई। गाड़ी में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरु कर दी गई हैं।

ग्रेनो प्राधिकरण ने उद्यान से जुड़ी चार कंपनियों पर लगाया 17 लाख का जुमार्ना

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने चार फर्मों पर 17 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। रिहायशी इलाकों में उद्यान कार्यों में लापरवाही मिलने पर यह कार्रवाई की गई है। जुमार्ने के इस रकम की वसूली इन फर्मों के मासिक बिलों के भुगतान में से कटौती कर की जाएगी। सात दिन में काम की गुणवत्ता में सुधार न मिलने पर इन फर्मों को काली सूची में भी डालने की चेतावनी दी गई है।

ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित जी-20 सम्मेलन को देखते हुए शहर को साफ सुथरा, हरा-भरा व सुंदर बनाने के लिए सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। आवासीय सेक्टरों के पार्क, ग्रीन बेल्ट सहित सभी प्रमुख मार्गों की रोड साइड ग्रीनरी आदि को दुरुस्त कराया जा रहा है। सीईओ के निर्देश पर उद्यान विभाग की टीम सेक्टरों में जाकर निरीक्षण कर रही है। रोड साइड ग्रीनरी का भी जायजा ले रही है। खामी मिलने पर लापरवाही करने वाली फर्मों पर जुमार्ना भी लगा रही है। उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण

की टीम ने हाल ही में सेक्टर रो-1 और रो- 2 का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रीनरी का रखरखाव कार्य ठीक से न होने पर कर्मस्टार इंटरप्राइजेज पर 10 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। टीम ने सेक्टर गामा-1 व 2 का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सेक्टरों के पार्क, ग्रीन बेल्ट और पाथवे आदि दुरुस्त नहीं मिले। इस मामले में राजा कंस्ट्रक्शन पर पांच लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। सेक्टर अल्फा-1 और 2 के निरीक्षण के दौरान भी यही सब खामियां मिली जिसके चलते प्राधिकरण की टीम ने मिलेनियम एग्रीटेक पर एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। सेक्टर बीटा-1 व 2 में पार्क, ग्रीन बेल्ट, पाथवे आदि खराब हालत में मिलने पर बाबा कंस्ट्रक्शन फर्म पर एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आनंद वर्धन ने बताया कि इन फर्मों पर लगी पेनाल्टी की वसूली आगामी मासिक बिलों के भुगतान में से कटौती करके की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ग्रेटर नोएडा की हरियाली के रखरखाव में लापरवाही बरतने वाली फर्मों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। ग्रीनरी को दुरुस्त करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इसके बाद भी लापरवाही मिलने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल व तीन सीएचसी पर रोजाना मिलेगी नसबंदी सुविधा

नोएडा। स्वास्थ्य विभाग ने परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया है। इसी कड़ी में जिला संयुक्त अस्पताल, तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी)- भंगेल, दादरी और बादलपुर में रोजाना महिला नसबंदी सेवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है। यदि किसी महिला को स्वेच्छा से नसबंदी अपनानी है तो वह सीधे इन चारों स्वास्थ्य केन्द्रों पर से किसी पर, किसी भी दिन जा सकती है। यह जानकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. भारत भूषण ने दी।

डा. भारत भूषण ने बताया- परिवार नियोजन सेवाएं (महिला नसबंदी) उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दिन निर्धारित किये हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख और दनकौर में हर मंगलवार को, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवर पर हर गुरुवार को और सीएचसी डाढ़ा पर हर माह के दूसरे शुक्रवार और चौथे शुक्रवार को सेवा उपलब्ध रहेगी। इसी तरह पुरुष नसबंदी सेवा रोजाना जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ड़ाढ़ा में उपलब्ध है। इच्छुक पुरुष कभी भी इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने बताया- परिवार नियोजन की अन्य सेवा, बास्केट ऑफ च्वाइस- त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा, छाया, कॉपर-टी, कंडोम जिला अस्पताल से लेकर सभी सब सेंटर तक पर उपलब्ध है। इसके अलावा हर माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन कर परिवार नियोजन सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी जाती है। डा. भारत भूषण ने बताया- जनपद में दस स्वास्थ्य केन्द्रों जिला अस्पताल, सीएचसी भंगेल, सीएचसी बादलपुर, सीएचसी दादरी, सीएचसी बिसरख, सीएचसी ढाडा कासना, पीएचसी दनकौर,पीएचसी जेवर,पीएचसी रबुपुरा, पीएचसी बरौला पर प्रसव सुविधा उपलब्ध है। इनमें चार एल-3 फैसिलिटी हैं, जो फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में काम करती हैं। यहां अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों से रेफर होकर प्रसूता यहां आती हैं। जिला अस्पताल, सीएचसी भंगेल, सीएचसी बादलपुर, सीएचसी दादरी एफआरयू के रूप में क्रियाशील हैं।

योगी ने किया ऐलान, अगले महीने से यूपी में शुरू होने जा रही है रैपिड रेल

गाजियाबाद। नगर निकाय चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री अपने तूफानी दौरे में थे। उन्होंने मेरठ मंडल को पूरी तरीके से कवर करते हुए कई जगहों पर रैली की। इसी क्रम में सीएम गाजियाबाद भी पहुंचे। उन्होंने कविनगर स्थित रामलीला मैदान में भाजपा के नगर निकाय प्रत्याशियों के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विकास के लिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा, उत्तर प्रदेश में पहले त्यौहारों से पहले कर्फ्यू लग जाता था। आज कांवड़ यात्रा गाजियाबाद के दूधेश्वर मंदिर से हरिद्वार तक शांतिपूर्ण तरीके से निकलती है। आज कोई कर्फ्यू का नाम नहीं लेता। योगी ने नारा दिया- 'न कर्फ्यू, न दंगा, यूपी में है सब चंगा।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव के समय परिवारवाद

पार्टी भी आई होगी। सत्ता में आते ही ये तमंचावादी हो जाते हैं। युवाओं के हाथ में तमंचा पकड़ा देते हैं। आज उत्तर प्रदेश में युवाओं के हाथ में तमंचे नहीं, टेबलेट हैं। यूपी में 2 करोड़ युवाओं को टेबलेट उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके माध्यम से उप्र का युवा अपने को टेलेंट-टेक्नोलॉजी से जोड़कर नए भारत का उप्र बनाने में योगदान दे रहा है। योगी ने याद दिलाते हुए कहा, 2017 से पहले उप्र में बेटियां स्कूल जाने में डरती थीं। मां-बहनें बाजार नहीं जा पाती थीं।

व्यापारी सिर छिपाकर व्यापार करता था कि पता नहीं कब रंगदारी के लिए फोन आ जाए। मैं 5 बार सांसद रहा। तब दिल्ली में रहता था, लेकिन गाजियाबाद आने की इच्छा नहीं होती थी। क्योंकि कानून व्यवस्था बदहाल थी। हमने भाजपा सरकार में गुंडों का सफाया किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी तय करने में 4 घंटे लगते थे। मेरठ से गाजियाबाद तक हाईवे बनाकर ये समय घट गया है। अगले महीने रैपिड रेल का शुभारंभ करने जा रहे हैं, वो इस दूरी को और कम कर देगा। 4 घंटे की जगह सिर्फ 40-45 मिनट में दूरी तय होगी।

नगर निकाय चुनाव में खपाने के लिए हरियाणा से लाई गई अवैध शराब का जखीरा पुलिस ने किया बरामद

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में दूसरे चरण के चुनाव अभी होने हैं। इस नगर निकाय चुनाव में खपाने के लिए हरियाणा से बड़ी मात्रा में शराब लाई गई थी। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है उसकी एक गाड़ी भी सीज की है। जिसमें वह छुपाकर हरियाणा की शराब का जखीरा लेकर नोएडा पहुंचा था। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने 1 अवैध शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 1 वैगनार कार और 21 पेटी कुल 179.250 लीटर अंग्रेजी हरियाणा मार्का अवैध शराब की कीमत करीब 2,00,000 रुपए बरामद की गई है।

थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने 5 मई को परीचौक से आगे अल्फा गौलचक्कर थाना नालेज पार्क से अभि0 जितेन्द्र कुमार पुत्र हातम सिंह नि0 ग्रा0 भूपखडी थाना खुर्जा देहात जिला बुलन्दशहर को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से एक वैगनार

कार, जिसमें 10 पेटी कुल 119 बोतल रॉयल स्टैग प्रीमियर व्हिस्की फॉर सेल इन हरियाणा ओनली तथा रायल स्टेग हाफ की 3 पेटी कुल 48 हाफ और 3 पेटी अग्रेंजी रॉकफोर्ड क्लासिक प्रीमियम ब्लेंडेड व्हिस्की फॉर सेल इन हरियाणा कुल 179.250 लीटर हरियाणा मार्का शराब सहित गिरफ्तार किया गया है।

अभि0 जितेन्द्र कुमार के नगर निकाय पंचायत चुनाव के क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस को विगत कई दिनों से सूचना प्राप्त हो रही थी। लोकल इंटेलिजेंस, बीट पुलिसंग के माध्यम से महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी एकत्र कर नॉलेज पार्क पुलिस ने इसे अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है।

सुकेश का लेटर बमः एलजी को लिखी चिट्ठी, दावा- केजरीवाल के बंगले में फर्नीचर से लेकर क्रॉकरी तक, मैंने दिए पैसे

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर जेल से लिखी अपनी चिट्ठियों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहता है। एक बार फिर उसने तिहाड़ में बैठकर लेटर बम फोड़ा है। इस बार सुकेश ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखकर सीएम अरविंद केजरीवाल के बंगले के पुनर्निर्माण पर हुए खर्चे को लेकर जो विवाद चल रहा है, उसी के बारे में जानकारी दी है। सुकेश ने अपने खत के जरिए दावा किया है उसने केजरीवाल के बंगले में फर्नीचर से लेकर क्रॉकरी तक पर लाखों रुपये का खर्च किया है।

सुकेश ने अपने खत में दावा किया है कि केजरीवाल के आवास में जो फर्नीचर लगे हैं वह सत्येंद्र जैन और केजरीवाल के द्वारा खुद सेलेक्ट किए थे। उनके फोटो मैंने उन्हें व्हाट्सएप और फेस टाइम चैट के जरिए सीएम और जैन के मोबाइल पर भेजा था।सुकेश का दावा है कि उसने कई फर्नीचर खरीदे जिनका ब्योरा इस प्रकार है-

विजनायर 12 सीटर डाइनिंग टेबल कीमत 45 लाख रुपये जिसका रंग ऑलिव ग्रीन है।

विजनायर ड्रेसिंग टेबल केजरीवाल और उनके बच्चों के रूम के लिए जिसकी कीमत 34 लाख रुपये है।

विजनायर के 7 आईने कीमत 18 लाख।

रग्स, बेडस्प्रेड्स और तकिए कुल 30 पीस जो राल्फ लॉरेन के थे कीमत 28 लाख।

पामराई की तीन दीवार घड़ियां 45 लाख।

सुकेश ने कहा व्हाट्सएप चैट उपलब्ध करा सकता हूं

सुकेश का दावा है कि उसने ये जो फर्नीचर बताए हैं ये सब उसने खुद मुंबई और दिल्ली से खरीदे हैं क्योंकि ये सब इटली और फ्रांस से आयात हुए थे। सभी पेमेंट मेरे फर्म न्यू एक्सप्रेस पोस्ट एंड एलएस फिशरीज के द्वारा किए गए। इन सब के रिकॉर्ड मैं जांच एजेंसी को दे सकता हूं इसके साथ ही व्हाट्सएप चैट भी मेरे, केजरीवाल और सिसोदिया के बीच में जो हुई थी वह भी उपलब्ध करा सकता हूं।

सारे फर्नीचर सीधे केजरीवाल के दफ्तर भेजे गए थे, जहां से मेरे स्टाफ रिषभ शेट्टी ने उन्हें उनके आवास पर लगाया था।

सुकेश ने दावा किया है कि सत्येंद्र जैन उसके चेन्नई स्थित घर गए थे तब उन्होंने वहां की फोटो खींची थी और वह उन्होंने केजरीवाल को दिखाई थी जिसके बाद केजरीवाल वैसे ही हाइएंड फर्नीचर खरीदने का दबाव सुकेश पर बना रहे थे।

90 लाख की ज्वेलरी के बदले मिला ये फेवर

सुकेश ने दावा किया है कि एक साउथ इंडियन ज्वेलर से केजरीवाल न 90 लाख की चांदी की क्रॉकरी मंगाई थी। इसके बदले उसे करोल बाग प्रोजेक्ट में अलॉटमेंट दी थी।

सुकेश चंद्रशेखर ने ये दावे करते हुए एलजी से मांग की है कि केजरीवाल के आवास के निर्माण पर हुए खर्च की जांच हो जिससे सारा सच सामने आ सके।